email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:91 | कटक शुक्रवार 19 अगस्त 2022 | मूल्य रु.2.00 | R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

बच्चे का गाना सुनकर रो पड़ीं नेहा कक्कड़

जन्माष्टमी पर देशभर के मंदिरों में धूम, लोगों में काफी उत्साह

नई दिल्ली। देश में हर साल भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव काफी धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान के जन्मोत्सव को जन्माष्टमी के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। हर साल की तरह इस बार भी जन्माष्टमी के त्योहार की मंदिरों में धूमधाम में तैयारियां चल रही हैं। लोगों में उल्लास का माहौल है और देशभर के मंदिरों की मनमोहक तस्वीरें सामने आने लगी हैं। वृंदावन के बांकेबिहारी से लेकर मथुरा के इस्कोन मंदिर तक बड़े ही खूबसूरत ढंग से सजाए गए हैं।

जन्माष्टमी की तिथि को लेकर संशय–वैसै तो हर साल लोग जन्माष्टमी से पहले ही तैयारियां शुरू कर लेते हैं लेकिन इस बार लोगों में इसकी तिथि को लेकर संशय था। इस बार दो दिन 18 और 19 अगस्त को जन्माष्टमी मनाई जा रही है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार अष्टमी तिथि आज 18 अगस्त को रात 9 बजकर 21 मिनट से शुरू हो जाएगी। यह तिथि कल यानी 19 अगस्त को रात 10 बजकर 59 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। बता दें कि ऐसी मान्यता है कि भगवान कृष्ण का जन्म रात 12 बजे हुआ था यही कारण है कि आज का दिन शुभ माना जा रहा है। जन्माष्टमी के अवसर पर दिल्ली में भी हर साल की तरह इस वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण व मंदिर की सजावट पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हुई नजर आएगी। पंजाबी बाग स्थित इस्कान मंदिर में पर्यावरण संरक्षण थीम को मद्देनजर रखते हुए सजावट की जा रही है। सजावट के माध्यम से भक्तों को समझाया जाएगा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए कितना घातक है। न सिर्फ सजावट बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक भी कुछ इसी प्रकार डिजाइन की गई है कि ताकि जन-जन तक संदेश पहुंचे कि पर्यावरण जीवन का अहम हिस्सा है। वृंदावन और मथुरा में भी जन्माष्टमी को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां चल रही है।

गालीबाज श्रीकांत त्यागी फिर योगी सरकार को दे सकता है टेंशन, पुलिस की भी बढ़ी चिंता

नोएडा। श्रीकांत त्यागी प्रकरण को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मामले में अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिले भी शामिल हो गए हैं। नोएडा के गेझा गांव में त्यागी समाज द्वारा 21 अगस्त को बुलाई गई महापंचायत का प्रचार गांव-गांव किया जा रहा है। इसे देखते हुए नोएडा पुलिस अलर्ट पर है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर रही है। उनके माध्यम से लोगों को बताया जा रहा है कि समाज के लोगों की प्रमुख मांगें मान ली गई हैं। जेल गए युवक जमानत पर रिहा हो चुके हैं। ऐसे में इस महापंचायत को आयोजित नहीं किया जाना चाहिए। पुलिस की कोशिश है कि लोग महापंचायत में न पहुंचने पाएं। अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था लव कुमार ने कहा कि महापंचायत को लेकर नोएडा पुलिस अलर्ट पर है। समाज के प्रमुख लोगों के साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारियों से भी वार्ता की जा रही है। पुलिस की महापंचायत का प्रचार कर रहे सोशल मीडिया एकाउंट पर भी नजर है।

श्रीकांत त्यागी के फेसबुक पेज से भी प्रचार

दूसरी ओर, महापंचायत के लिए त्यागी समाज के विभिन्न संगठन जुटे हुए हैं। श्रीकांत त्यागी के फेसबुक पेज से भी प्रचार किया जा रहा है।

रालोद के राष्ट्रीय महासचिव श्रीकांत के घर पहुंचे

रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी बुधवार शाम ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में पहुंचे। यहां पर उन्होंने श्रीकांत की पत्नी अन्नू त्यागी और अन्य परिवारजनों से मुलाकात की। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस मामले में रालोद पूरी तरह से उनके साथ है।

श्रीकांत त्यागी प्रकरण को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मामले में अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिले भी शामिल हो गए हैं। नोएडा में 21 को महापंचायत के ऐलान ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है।

प्राधिकरण ने श्रीकांत के निर्माण को तोड़ दिया, जबकि ऐसा ही अवैध निर्माण सोसाइटी में 40 से अधिक घरों में है। पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की। इसको लेकर वह गुरुवार को कमिश्नर से भी मिलेंगे। कमिश्नर से उनकी मांग रहेगी कि दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करें।

फिरोजाबाद में सीएम योगी के होर्डिंग्स पर अब कालिख फेंकी, शहर की फिजा बिगाड़ने का भी प्रयास

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के होर्डिंग्स से छेड़छाड़ का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा है। 12 अगस्त की रात को जिस तरह होर्डिंग्स से चेहरे काटे गए थे, वही अब 17 अगस्त की रात को चेहरों पर कालिख फेंकी गई है। भाजपा नेताओं ने पुलिस के बुधवार को किए खुलासे पर भी सवाल उठाए हैं। शहर की फिजा को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। फिरोजाबाद में 12 अगस्त की रात को आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर नगर निगम क्षेत्र में दर्जनों स्थानों पर शुभकामनाओं के होर्डिंग्स लगाए गए थे। इन होर्डिंग्स में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरों को 12 अगस्त की रात को काट दिया गया था। इस घटना के बाद 13 अगस्त की सुबह शहर में लोगों ने जब हंगामा शुरू किया तो आनन-फानन में प्रशासन ने इन होर्डिंग्स को उतरवा दिया था। साथ ही थाना उत्तर और थाना दक्षिण में मुकदमे दर्ज कराए गए थे। पुलिस लगातार सीसीटीवी फुटेज से मामले को खंगाल रही थी। बुधवार को पुलिस ने गुपचुप तरीके से एक आरोपी को साजिश में शामिल होने की बात कहते हुए जेल भेज दिया। आरोपी युवक को विक्षिप्त भी बताया है। गुरुवार की सुबह सुहाग नगर चौराहे के निकट होर्डिंग्स से मुख्यमंत्री के चेहरे पर कालिख पोती हुई मिली। होर्डिंग्स पर कालिख को फेंका गया है। घटना की जानकारी होते ही भाजपा नेताओं ने जिलाधिकारी और सीओ सिटी को मामले से अवगत कराया है।

देश के इन राज्यों में आज से 4 दिन तक मूसलाधार बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार भारी बारिश के कारण बुरा हाल है। आम जनजीवन पर असर पड़ा है। मौसम विभाग ने आज कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक 19 अगस्त के आसपास बंगाल की उत्तरी खाड़ी पर निम्न दबाव के क्षेत्र के प्रभाव में हल्की बारिश की संभावना है। इस बीच मौसम विभाग ने 21 अगस्त तक देश के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इस पूर्वानुमान के मुताबिक मध्य प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, मध्य महाराष्ट्र और ओडिशा के कुछ हिस्से बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तराखंड, राजस्थान समेत ज्यादातर राज्यों में आज भी बारिश के आसार हैं। ढ्ढरूष्ठ के मुताबिक, सौराष्ट्र और कच्छ इलाकों में आज भारी बारिश होगी। कोंकण और गोवा में 20 और 21 अगस्त को बारिश होगी। वहीं, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 18 से 21 अगस्त तक मध्यम बारिश के आसार है। ओडिशा में आज से 20 अगस्त तक गरज के साथ हल्की बारिश होगी। झारखंड में 19 और 20 को, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में 19 से 21 अगस्त तक कई इलाकों में हल्की बारिश का अनुमान है।

यूपी के इन जिलों में भारी बारिश के आसार, येलो अलर्ट जारी–उत्तर प्रदेश में प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, सोनभद्र समेत कई जिलों में बारिश का अलर्ट है। लो प्रेशर एरिया की वजह से तेज हवाएं चल रही हैं। मानसून के ट्रफ रेखा से ऊपर जाने की स्थिति में बारिश की संभावना बनेगी। यूपी में अगले 2-3 दिनों तक बादल जमकर बरस सकते हैं। मौसम विभाग ने यूपी के 40 जिलों में 19 अगस्त तक बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 2-3 इसी तरह का मौसम रहेगा। इन जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने लखनऊ, मुरादाबाद, रामपुर , बरेली, पीलीभीत, बाराबंकी, कानपुर, लखीमपुर आदि।

बिहार में मंत्रियों के बंटवारे से खुश नहीं हैं गुलाम नबी आजाद, बोले

कांग्रेस कोटे से बनने चाहिए थे 4 मंत्री, इसके पीछे दिया ये तर्क

नयी दिल्ली। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद से लगातार घमासान मचा हुआ है। कार्तिकेय सिंह और लेशी सिंह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अलावा एक जदयू विधायक ने भी नीतीश सरकार पर सवाल खड़े कर दिए। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद का बयान भी सामने आया है। जिसमें उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार के फॉर्मूले पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने मानना है कि कांग्रेस को उचित हिस्सेदारी नहीं मिली है।

आजाद ने कहा कि गैर भाजपा दलों का मिलकर सरकार बनाना स्वागत योग्य कदम है, लेकिन कांग्रेस को उचित हिस्सेदारी नहीं मिली है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महागठबंधन में कांग्रेस को छोड़कर अन्य घटक दलों को अच्छी संख्या में मंत्री पद मिले हैं। आजाद का मानना है कि कांग्रेस को कम से कम 4 मंत्री पद मिलने चाहिए थे।

हिंदी समाचार एजेंसी भाषा के साथ बातचीत में आजाद ने कहा कि आप देखिए कि राजद के पास 79 विधायक हैं और उसे 17 मंत्री पद मिले हैं और जनता दल (यूनाइटेड) कोटे के 46 विधायक (एक निर्दलीय समेत) हैं और उसे 13 मंत्री पद मिले हैं। हिंदुस्तान अवामी मोर्चा के चार विधायक हैं और उसे एक मंत्री पद मिला है। कांग्रेस के 19 विधायक हैं और उसे सिर्फ दो मंत्री पद मिले हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि विभागों का बंटवारा भी बिना किसी तर्क के किया गया है और यह हैरान करने वाली बात है कि कांग्रेस से किसी ने भी मंत्री पदों को लेकर समुचित हिस्सेदारी के लिए दबाव नहीं बनाया।

गौरतलब है कि मंत्रिमंडल विस्तार के एक दिन बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुलाकात की। कहा जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव ने ही नीतीश कुमार को महागठबंधन में शामिल करने की पूरी योजना तैयार की थी और इसकी शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर इफ्तार पार्टी के दौरान हो गई थी।

पश्चिम बंगाल में पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

आतंकवादी संगठन के दो संदिग्ध सदस्य गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने बुधवार रात उत्तर 24 परगना जिले से अल कायदा के दो संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसटीएफ के अधिकारियों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर उत्तर 24 परगना के शासन थाना क्षेत्र के खारीबारी में बुधवार रात तलाशी शुरू की और दोनों को आतंकवादी संगठन से कथित संलिप्तता के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारी के अनुसार, उनमें से एक की पहचान दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर के निवासी के तौर पर हुई है, वहीं दूसरा हुगली जिले के आरामबाग का रहने वाला है। उनके पास से कई दस्तावेज मिले हैं।

बिहार में उठते सवालों के बीच छात्रा को सरेराह मार दी गोली, हालत गंभीर

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद कानून व्यवस्था पर उठते सवालों के बीच राजधानी पटना में कोचिंग से लौट रही एक 9वीं कक्षा की छात्रा को अपराधी ने सरेआम गोली मार दी। गोली लगने के बाद छात्रा जख्मी हो गई, उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रा है। वारदात इंद्रपुरी में हुई। पुलिस का कहना है कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है और आरोपी पूर्व प्रेमी फरार है। मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी लड़की को गोली मारकर भागता हुआ दिखाई दे रहा है।

जानकारी के मुताबिक यह वारदात पटना के बेऊर थाना इलाके के इंद्रपुरी रोड नंबर 4 पर बुधवार दोपहर में हुई। गोली चलते ही आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। छात्रा के पिता सब्जी बेचते हैं। उसका घर मौके से करीब 200 मीटर ही दूर है।

कोचिंग संस्थान बदलने से नाराज था एक्स बॉयफ्रेंड

पुलिस का कहना है कि प्रथमदृष्ट्या यह मामला प्रेम प्रसंग का लग रहा है। छात्रा पहले किसी और कोचिंग संस्थान में पढ़ाई करने जाती थी। वहीं पर एक युवक के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। बाद में दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। फिर छात्रा ने दूसरे कोचिंग संस्थान में जाना शुरू कर दिया। इससे उसका पूर्व प्रेमी नाराज हो गया और उसने छात्रा को गोली मार दी।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

बेऊर थानेदार अतुलेश कुमार ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। छात्रा का बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपी जक्कनपुर का रहने वाला है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी की तस्वीर कैद हो गई। लड़की का एक्स बॉयफ्रेंड उसका पीछा करते हुए दिख रहा है। फुटेज में देखने से पता चल रहा है कि आरोपी ने छात्रा के सिर में गोली मारने की कोशिश की थी। मगर वह आगे बढ़ गई और गोली उसके कंधे में जाकर लग गई। सिर में गोली लगती तो छात्रा की मौके पर ही मौत हो सकती थी।

जम्मू-कश्मीर में बसे बाहरी भी डाल पाएंगे वोट, शामिल होंगे 25 लाख नए मतदाता; चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) हिरदेश कुमार ने एक बड़े फैसले में घोषणा की है। आयोग ने कश्मीर से बाहर के लोगों को भी मतदान का अधिकार दिया है। इनमें कर्मचारी, छात्र, मजदूर या देश के दूसरे राज्यों के वे व्यक्ति शामिल होंगे जो आमतौर पर जम्मू-कश्मीर में रह रहे हैं। वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। साथ ही जम्मू-कश्मीर में होने वाले चुनाव में वोट कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि बाहरी लोगों को मतदाता के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए अधिवास की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा है कि अन्य राज्यों के सशस्त्र बल के जवान जो जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं, वे भी अपना नाम मतदाता सूची में जोड़ सकते हैं।

किराए पर रह रहे लोग भी कर सकेंगे मतदान

चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट किया कि गैर-स्थानीय लोगों के लिए मतदान के लिए कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा, ÷इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई जम्मू कश्मीर में कितने समय से रह रहा है। गैर स्थानीय जम्मू कश्मीर में रह रहा है या नहीं इस पर अंतिम फैसला ईआरओ करेगा। यहां किराए पर रहने वाले भी मतदान कर सकते हैं।

20 से 25 लाख वोटर बढ़ने की संभावना

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में शामिल होने की एकमात्र शर्त यह है कि व्यक्ति ने अपने मूल राज्य से अपना मतदाता पंजीकरण रद्द कर दिया हो। आयोग के इस फैसले से मतदाता सूची में करीब 20 से 25 लाख नए मतदाता शामिल होंगे।

महबूबा ने लगाया बीजेपी की मदद करने का आरोप

चुनाव आयुक्त के इस फैसले पर पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, %पहले %जम्मू-कश्मीर में चुनावों को स्थगित करने का भारत सरकार का निर्णय और अब गैर स्थानीय लोगों को वोट देने की अनुमति देना, यह भाजपा के पक्ष में चुनाव परिणामों को प्रभावित करना के संकेत हैं। असली उद्देश्य स्थानीय लोगों को शक्तिहीन करने के लिए जम्मू-कश्मीर पर सख्ती से शासन करना जारी रखना है।

जम्मू कश्मीर में परिसीमन आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद विधानसभा सीटों की संख्या 90 हो गई है। विधानसभा सीटों की संख्या में वृद्धि के साथ मौजूदा मतदाता सूची में व्यापक बदलाव आया है। अब नए ढांचे के अनुसार मतदाता सूची तैयार की जा रही है।

पूरे जम्मू कश्मीर में मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है, हालांकि जम्मू कश्मीर में 15 अगस्त की तैयारियों को देखते हुए इसे रोक दिया गया था। इससे पहले अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के लिए 31 अक्टूबर की समयसीमा तय की गई थी, हालांकि इसे अब 25 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू कश्मीर में नए मतदान केंद्र बन रहे हैं और मतदान केंद्रों की संख्या 11,370 हो गई है।÷ जम्मू कश्मीर में 15 सितंबर से 25 अक्टूबर तक समरी रिवीजन के दौरान जम्मू कश्मीर में कैंप आयोजित किए जाएंगे, जहां लोग मतदाता के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

संपादकीय

नया मंत्रिमंडल

मंगलवार की सुबह बिहार में ३१ नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण और दोपहर तक विभागों के बंटवारे की घोषणा बताती है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार ने बीते पांच-छह दिनों में अपना होमवर्क पूरा कर लिया था। बीते १० अगस्त को ही नई सरकार वजूद में आई है। यह यकीनन सराहनीय है, क्योंकि हाल के वर्षों में जैसी राजनीतिक संस्कृति हमें देखने को मिली है, उसमें किसी भी गठबंधन सरकार के मुखिया के लिए मंत्रिमंडल का गठन सबसे मुश्किल कार्य हो गया है। महाराष्ट्र की ताजा नजीर हमारे सामने है, जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अपना मंत्रिमंडल बनाने में करीब ४० दिन लग गए और इसके बाद भी उनके खेमे के विधायकों का असंतोष रोज-रोज सुर्खियां बटोर रहा है। जाहिर है, नीतीश कुमार एक अनुभवी राजनेता हैं और लगातार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते आ रहे हैं, इसलिए शायद उन्हें बहुत मशक्कत नहीं करनी पड़ी। सुखद बात यह है कि उनका मंत्रिमंडल एक समावेशी छवि पेश कर रहा है।

लेकिन यहां से महागठबंधन सरकार की चुनौतियां भी शुरू हो रही हैं। सबसे पहले तो सत्ता से बेदखल हुई भाजपा अब प्रतिपक्ष की भूमिका में अधिक आक्रामक रूप से नई सरकार की किसी चूक पर हमलावर होगी, दूसरी तरफ, आम लोगों की बढ़ी हुई आकांक्षाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का दबाव भी इस सरकार पर अधिक होगा। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर २० लाख नौकरियां व रोजगार देने का जो एलान किया है, वह एक बहुत बड़ी घोषणा है। अगर इस वादेको जमीन पर उतारने में वह कामयाब हुए, तो इससे न सिर्फ बिहार के नौजवानों का भला होगा, बल्कि गठबंधन बदलने के कदम के मुखर आलोचकों को भी जवाब मिल जाएगा। लेकिन यह काम इतना आसान नहीं है। अव्वल तो उनकी सरकार के पास बमुश्किल तीन साल का वक्त रह बचा है। दूसरा, तमाम सरकारी विभागों की रिक्तियों को भरने के लिए राज्य सरकार को भारी आर्थिक संसाधन की दरकार होगी। बदली राजनीतिक स्थितियों में वह केंद्र से उदार सहयोग की अपेक्षा नहीं कर सकती। इसलिए इस सरकार के सभी मंत्रियों को अपने-अपने विभाग में एक ऐसी कार्य-संस्कृति लानी पड़ेगी, जिसमें न सिर्फ त्वरित फैसले हो सकें, बल्कि उनकी तमाम योजनाएं रोजगारोन्मुख हों।

सत्तारूढ़ महागठबंधन में शामिल पार्टियों की नई सियासी गोलबंदी २०२४ के आम चुनाव से प्रेरित है। मगर इन दलों को मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि शासन के स्तर पर ठोस प्रदर्शन किए बगैर वे सिर्फ सामाजिक गठजोड़ की बदौलत कामयाब हो जाएंगे। ठीक है, नए मंत्रिमंडल में अति-पिछड़े वर्गों को अच्छा-खासा प्रतिनिधित्व दिया गया है। लेकिन मुख्यमंत्री के पास ३६ मंत्री रखने की ही सांविधानिक बाध्यता है, और बिहार में राजनीतिक रूप से जागरूक ऐसी अनेक जातियां हैं, जिन्हें मंत्रिमंडल में नुमाइंदगी नहीं मिली है। कोई भी सरकार सभी जातियों को मंत्री पद नहीं दे सकती। ऐसे में, सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए उन्हें संतुष्ट करने की चुनौती हमेशा रहेगी। बिहार को एक स्थिर और बेहद सक्रिय सरकार की जरूरत है, जो वास्तव में बदलाव का एहसास कराए। जैसा नीतीश कुमार-भाजपा गठबंधन के पहले कार्यकाल में हुआ था। तेजस्वी यादव के पास सीधे जनता से जुड़ने वाले विभाग हैं। अगर वह अपने कार्यों से बिहार के लोगों को आश्वस्ति दे सके, तो यह उनके भी हक में होगा व राज्य के हित में भी।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री के संदेश के निहितार्थ

ऋतुपर्ण दवे

लाल किले की प्राचीर से आजादी के गुमनाम मतवालों को याद करते हुए स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संकल्पित अंदाज में दिखे। उन्होंने भ्रष्टाचारियों को ललकारा। भाई-भतीजावाद को नई पीढ़ी के खिलाफ बताया। प्रधानमंत्री ने आने वाले २५ साल के लिए पंच प्रण यानी ५ संकल्पों पर सभी को अपनी शक्ति, संकल्प तथा सामर्थ्य के साथ केंद्रित होने का आग्रह किया। पहला प्रण देश बड़े संकल्प के साथ चले जिसमें हमें विकसित भारत से कम कुछ भी नहीं चाहिए। दूसरा प्रण किसी भी कोने में हमारे मन में गुलामी का लेशमात्र अंश भी न रहे। हमें वैसा ही होना चाहिए जैसे हैं। अब बिल्कुल जरूरी नहीं कि सात समंदर पार के गुलामी के जरा से भी तत्व रह जाएं। दासता के सभी निशान मिटा दें। तीसरा प्रण हमें हमारी अपनी विरासत पर गर्व करना होगा। यही वो विरासत है जो कभी भारत का स्वर्णिम काल था और जिस पर हमें गर्व होना चाहिए। चौथा प्रण एकता और एकजुटता का है। १३० करोड़ देशवासियों में ऐसी एकता हो जिसमें न कोई अपना न कोई पराया हो सब एक हों। एकता की ताकत एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपनों के लिए अहम है। पांचवां प्रण नागरिकों के कर्तव्य हैं सब इसे समझें और पूरा करें चाहे प्रधानमंत्री हो या मुख्यमंत्री कोई भी बाहर नहीं है।

इस बार प्रधानमंत्री का उद्बोधन दार्शनिक लेकिन दो टूक रहा। इसमें नए भारत का खाका है। उन्होंने खुलेपन से कहा कि यह वही भारत है जिसने अन्न संकट पर आत्म निर्भरता प्राप्त की। युद्ध की विभीषिकाओं, आतंकवाद से निपट कर हमने अपना सामर्थ्य दुनिया को दिखा दिया। यह भारत की संस्कार सरिता ही है जिसने सफलता-विफलता, आशा-निराशा के अनेकों पड़ावों के बाद भी देश को दुनिया में एक अलग मुकाम पर ला खड़ा किया। आज दुनिया को भारत जो दे रहा है वह किसी के पास नहीं है। व्यक्तिगत तनाव से निपटने की खातिर भारतीय योग और सामूहिक तनाव से निपटने के लिए भारतीय परिवारों के उदाहरण दिए जाते हैं। संयुक्त परिवार की सबसे बड़ी पूंजी सदियों से हमारी माताओं का त्याग और बलिदान है। इनके कारण ही परिवार नाम की जो व्यवस्था विकसित हुई वह हमारी बड़ी विरासत है, जिस पर गर्व है। प्रधानमंत्री ने नारी सम्मान पर बेहद भावुक अंदाज में सबका ध्यान खींचा। उन्होंने कहा किसी न किसी कारण से हमारे बोलचाल, व्यवहार में एक विकृति आई है। क्या हम स्वभाव, संस्कार, रोजमर्रा की जिंदगी में नारी को अपमानित करने वाली हर बात से मुक्ति का संकल्प ले सकते हैं? हम इस पर जितना ध्यान देंगे, जितना ज्यादा अवसर बेटियों को देंगे, देखेंगे कि वो देश को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगी। अदालतों का उदाहरण देते हुए कहा कि वकील के तौर पर नारी शक्ति का वर्णन और गांवों में पंचायत से लेकर आज ज्ञान-विज्ञान के हर क्षेत्र में नारी शक्ति सिरमौर नजर आती है। पुलिस में सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाती है। खेल-कूद का मैदान देखें या युद्ध की भूमि देखें भारत की नारी शक्ति एक नए सामर्थ्य के साथ आगे आ रही है। आने-वाले २५ साल में ये योगदान और ज्यादा बढ़ेगा। आजादी की जंग की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने उसके रूपों की भी चर्चा की। ऐसे ही एक रूप में स्वामी नारायण गुरु, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंदो, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जैसे अनेकों महापुरुषों ने देश के कोने-कोने में भारत की चेतना को जगाया। वहीं मंगल पांडे, तात्या टोपे, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद, असफाक उल्ला खां, राम प्रसाद बिस्मिल जैसे क्रांति वीरों का वो रूप भी दिखा जिसने अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला दीं। वहीं अलूरी सीताराम राजू तो महिलाओं में रानी लक्ष्मी बाई, झलकारी बाई, रानी गाइडिंगलू, रानी चेनम्मा का दौर भी बताया। प्रधानमंत्री ने बड़े संकल्पों का आह्वान करते हुए कहा कि जब संकल्प बड़े होते हैं तो पुरुषार्थ भी बड़ा होता है। प्रधानमंत्री ने युवाओं विशेषकर २०-२२ वर्ष के नौजवानों से इस संबंध में अपेक्षाएं भी कीं और कहा कि पंच प्रण पर अपनी शक्ति को केंद्रित करना होगा। २०४७ में जब आजादी के १०० साल होंगे तब आजादी के दीवानों के सारे सपनों को पूरा करने का जिम्मा उठाकर चलना होगा।

प्रधानमंत्री के उद्बोधन में उनका भारतीय दर्शन भी साफ झलका। उन्होंने कहा कि भारत ही दुनिया का वो देश है जिसकी जीवनशैली ने दुनिया को प्रभावित किया है। हमें अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए। हम ही वो लोग हैं, जो जीव में शिव देखते हैं, नर में नारायण देखते हैं, नारी को नारायणी कहते हैं, पौधे में परमात्मा देखते हैं, नदी को मां मानते हैं, कंकड़-कंकड़ में शंकर देखते हैं। सत्य एक है जिसे जानकार अलग-अलग कहते हैं। भारतीय ही जन कल्याण से जग कल्याण की राह पर चलने वाले लोग हैं। इसी एकता, एक जुटता का भाव इंडिया फर्स्ट का भाव जगाता है, दिखाता है। उन्होंने प्राकृतिक खेती पर जोर दिया और हर ड्रॉप मोर क्रॉप का आह्वान किया। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री ने विशेषकर छोटे बच्चों का जिक्र भी किया जो ५-७ साल के होकर भी देशी खिलौनों से खेलने को लेकर समझ रखते हैं। यह भारत ही है जहां देश प्रेम की ऐसी सोच बचपन से बच्चों में भरी जाती है। इशारों ही इशारों में अनुशासित जीवन का जिक्र करते हुए पुलिस-पीपुल और शासक-प्रशासक को भी अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति चेताना बताता है कि इस पर अभी काफी कुछ दिखने वाला है।

उन्होंने कहा शास्त्री जी ने देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जय जवान-जय किसान का नारा दिया। बाद में अटल जी ने इसमें जय विज्ञान को जोड़ा और अब देश की जरूरतों को देखते हुए इसमें एक नया जोड़ना आवश्यक है। इसलिए अब जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान की जरूरत है। आने वाला दौर डेकेड (१०वर्ष) टेकेड (तकनीक) का होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से एक बड़ी बात कही जो अब बेहद सुर्खियों में रहने वाली है। उन्होंने भ्रष्टाचार और राजनीतिक परिवारवाद पर प्रहार करते हुए बड़ा संकेत भी दिया कि देश के साथ खिलवाड़ करने और जनविरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के और भी बुरे दिन आने वाले हैं। हमें अपनी संस्थाओं की ताकत का अहसास करने के लिए योग्यता के आधार पर देश को आगे ले जाना होगा और इसके लिए परिवारवाद के खिलाफ जागरूकता बढ़ानी होगी। भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। इससे लड़ना है। जिन्होंने देश को लूटा है उन्हें लौटाना होगा। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कालखंड में कदम रख रहे हैं।

श्रीलंका के हालात से दुनिया के देशों को लेना होगा सबक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अव्यावहारिक योजनाएं और जिद किस तरह से किसी देश को रसातल में ले जा सकती है, इसका ताजातरीन उदाहरण श्रीलंका में देखा जा सकता है। पूर्ववर्ती सरकार की जैविक खेती की जिद ने ऐसा संकट खड़ा किया कि श्रीलंका आज दोराहे पर खड़ा हो गया। दरअसल श्रीलंका की पूर्व सरकार के पतन के अन्य कारणों के साथ देश में अन्न संकट का होना रहा। अन्न संकट का कारण भी वहां की नई नीति रही और श्रीलंका सरकार की जैविक खेती की जिद ने उसे गंभीर संकट में धकेल दिया।

सरकार ने २०२१ में श्रीलंका में सभी प्रकार के रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग पर रोक लगा दी। इसके साथ ही देश के २० लाख किसानों को जैविक खेती का तुगलकी आदेश दिया गया। तुगलकी इस मायने में कि किसी भी प्रयोग को व्यावहारिक रूप देने से पहले उसके संभावित परिणाम को अवश्य समझना चाहिए। कोई भी नया प्रयोग किया जाता है तो उसके लाभ-हानि का आकलन करने के साथ ही चरणबद्ध तरीके से लागू किये जाने की जरूरत होती है। इसके साथ ही यह निर्णय भी इस मायने में गलत समय पर लिया गया कि उस समय श्रीलंका के किसान चावल की खेती की तैयारियों में जुट चुके थे। अचानक आये निर्णय से किसान भौंचक्के रह गए और इस निर्णय का विरोध भी काफी हुआ। यह सब तो तब है जब राजपक्षे ने २०१९ में चुनाव अभियान के दौरान देश को दस साल में जैविक खेती की और ले जाने का वादा किया था, पर एकाएक दूसरे ही साल २०२१ में पूरी तरह जैविक खेती की जिद और रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों पर रोक का सीधा असर सामने आ गया और श्रीलंका गंभीर खाद्यान्न संकट की चपेट में आ गया।

हालांकि २०१९ के आतंकी हमलों के बाद से ही हालात बिगड़ने शुरू हो गए थे क्योंकि श्रीलंका का पर्यटन उद्योग इन आतंकी हमलों में बुरी तरह प्रभावित हुआ। उसके बाद के दो साल कोरोना की भेंट चढ़ गए तो रही सही कसर एकाएक जैविक खेती के आदेश ने पूरी कर दी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद तो हालात और भी बदतर हो गए। मीडिया समाचारों को सही मानें तो श्रीलंका के लोग गंभीर खाद्यान्न संकट से जूझ रहे हैं यहां तक कि अधिकांश लोगों को एक समय का ही भरपेट खाना मिल पा रहा है तो दूसरी और पेट्रोल आदि की देशव्यापी किल्लत हो गई है। हालात यह कि दुनिया के देश श्रीलंका की मदद को तैयार नहीं है। हालांकि भारत ने सच्चे पड़ोसी होने का रिश्ता निभाते हुए श्रीलंका को सहायता उपलब्ध कराई है। चीन इन हालात का फायदा उठाने की तैयारी में है।

मुद्दे की बात यह है कि जब हालात बद से बदतर होते दिखे तो सरकारों को निर्णयों की समीक्षा करने में देरी नहीं करनी चाहिए। कोरोना के बाद से दुनिया के देशों के आर्थिक हालात खराब चल रहे हैं। अमेरिका, इंग्लैण्ड सहित दुनिया के अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। कोरोना के कारण पर्यटन उद्योग की तो पूरी तरह से कमर टूट गई है। रही-सही कसर लंबे खिंचते रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी कर दी है। अब चीन-ताइवान तनाव सामने हैं। चिंताजनक बात यह है कि कोरोना जैसी महामारी से पूरी तरह मुक्त नहीं होने के बावजूद दुनिया के देशों ने जिद नहीं छोड़ी और एक-दूसरे खिलाफ जंग को आमादा है। यह वास्तव में निराशाजनक स्थिति है।

श्रीलंका में यदि चरणबद्ध तरीके और सरकार अपने चुनावी वायदे के अनुसार दस सालों में जैविक खेती की राह पकड़ती तो संभवत: यह संकट श्रीलंकावासियों को नहीं देखना पडता। फिर जब पहली छमाही में ही दुष्परिणाम सामने आ गया तो श्रीलंका सरकार को उसकी समीक्षा करने में देरी नहीं करनी चाहिए थी। आखिर सरकार किसके लिए होती है। सरकार होती है देश के नागरिकों के लिए। उनके हितों और देशहित की ही अनदेखी होने लगती है तो परिणाम श्रीलंका जैसे आने में देरी नहीं होगी। ऐसे में सरकारों को योजनाओं व कार्यक्रमों को लागू करते समय उनके परिणामों को भी समझ लेना चाहिए।(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कर्मयोगी श्रीकृष्ण: जियो तो ऐसे जियो!

गिरीश्वर मिश्र

सुख की चाह और दु:ख से दूरी बनाए रखना जीवित प्राणी का सहज स्वाभाविक व्यवहार है जो पशु- मनुष्य सब में दिखाई पड़ता है। यह सूत्र जीवन के सम्भव होने की शर्त की तरह काम करता है। पर इसके आगे की कहानी हम सब खुद रचते हैं। आहार, निद्रा, भय और मैथुन के अलावा हम सब धन, दौलत, पद, प्रतिष्ठा, आदर, सम्मान, प्रेम, दया, दान आदि समाज जनित कामनाओं के इर्द-गिर्द निजी और सार्वजनिक जीवन ताना-बाना बुनते हैं। जिन्दगी खेने की सारी कशमकश इन्हीं को लेकर चलती रहती है। आज की दुनिया में हर कोई कुंठा और तनाव से जूझता दिख रहा है और उससे निपटने के लिए मानसिक दबाव बढ़ता जा रहा है।

थोड़ा निकट से देखें तो यही बात उभर कर सामने आती है कि किसी न किसी तरह सभी अपनी स्थिति से असंतुष्ट हैं। कुछ लोग जितना है उसमें इच्छा से कम होने को लेकर तो कुछ लोग जो उनके पास नहीं है उसे पाने को लेकर। सबके साथ कुछ न कुछ ऐसा हो रहा है कि सभी वर्तमान क्षण का पूरा रस नहीं ले पा रहे हैं और जीवन बीता जा रहा है। परिस्थितियाँ प्रतिदिन उपलब्धियों के नए स्तर और आयाम भी दिखाती रहती हैं और इन सबके बीच जीने की राह ढूँढ़ना दिनों दिन मुश्किल चुनौती बनती जा रही है। बढ़ते अँधेरे वाले ऐसे समय में महानायक श्रीकृष्ण का स्मरण प्रकाश की किरण जैसा भरोसा देने वाला और आश्वस्त करने वाला है।

भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक स्मृति को टटोलें तो मिलता है कि भगवान श्रीकृष्ण का चरित संक्रमण और युग संधि की वेला में उपस्थित होता है। मानव स्वभाव की उत्तम, मध्यम और हीन हर तरह प्रवृत्तियों के साथ उनको जूझना पड़ा था। भागवत और महाभारत के साथ अन्य तमाम काव्यों और लोक जीवन में व्याप्त कथाओं में श्रीकृष्ण हर तरह के कष्ट से छुटकारा दिलाने वाले सर्वजनसुलभ त्राता के रूप में भारतीय मन में बसे हुए हैं। खुद उनकी कथा विलक्षणताओं और जटिलताओं के साथ नित्य नई-नई उलझनों और उतार-चढ़ाव के बीच सहज जीवन की सम्भावना को स्थापित करने वाली है। जन्म से लेकर जीवनपर्यंत वे इतने रूपों और इतनी भूमिकाओं में आते हैं कि उनकी कोई एक स्थिर पहचान तय करना मुश्किल है। वैसे तो उनकी विपुल गाथा में अनेक अवसर आते हैं जहां वे अपने विचार और व्यवहार से मार्गदर्शन देते हैं और सीखने के लिए बहुत कुछ मिलता है पर भगवदगीता का उपदेश ही मुख्य है जिसमें वह जीने की राह बताते हैं। उसके मूल सिद्धांत का प्रतिपादन है जिसे योग का नाम दिया गया है।

श्रीकृष्ण योग से युक्त होने पर बल देते हैं और योग की कई विधाएं बताते हैं पर एक आधारभूत सन्देश यह है कि जीवन कर्ममय है और वह अस्तित्व की प्रकृति का हिस्सा होने के कारण अनिवार्य है। इस कर्म का ठीक तरह से नियोजन कैसे किया जाय यह मुख्य प्रतिपाद्य हो जाता है। जीवन में कर्म की केन्द्रिकता दुर्निवार है और ऐसी स्थिति में मुख्य समस्या यही है कि कर्म (या व्यवहार) पर अपना नियंत्रण कैसे हो ताकि कुशलता आ सके क्योंकि कर्म ही वह माध्यम है जिससे मानसिक संकल्प मूर्त रूप लेते हैं। कर्म की व्याख्या करते हुए श्रीकृष्ण उसे सहज स्वाभाविक जीवन प्रक्रिया मानते हैं और कर्म करते समय उसे फल की कल्पित भावना से मुक्त रखने का विवेक विकसित करने को कहते हैं। ऐसा सहज कर्म 9अकर्म" हो जाता है।

यहाँ कर्म के साथ जुड़े कर्तापन के भाव से भी मुक्ति दिलाने पर बल दिया गया है क्योंकि पांच तत्व कारण के रूप में उपस्थित रहते हैं। सहज कर्म की संस्कृति सृजनधर्मी होती है। गीता पढ़ते-गुनते हुए मन में बहुत से सवाल उठते हैं कि जिस तरह आचरण की बात कही जा रही है, वह जीवन में कैसे उतरेगा। उदाहरण के लिए अनासक्त कर्म की बात लें तो यह सवाल उठता है कि असम्पृक्त होकर भी रुचि से कार्य करते हुए जीना कैसे हो सकता है? कर्म तक अपना अधिकार मान कर फल से निर्द्वंद कैसे रहा जाय? स्थित प्रज्ञ के विचार को लें तो प्रश्न उठता है कि राग, भय और क्रोध का अतिक्रमण कैसे किया जा सकता है? कैसे सुख में स्पृहहीन और दु:ख में उद्विग्न हुए बिना रहा जाय? योगयुक्त जीवन जीने के लिए अभ्यास और वैराग्य की राह कैसे अपनाई जाय?

थोड़ा ध्यान से देखा जाय तो यह स्पष्ट हो जाता है कि कर्म योग की जो विशद व्याख्या वह प्रस्तुत करते हैं वह उन्ही पर पूरी तरह से घटित भी होती है। वह स्वयं उस तरह से जीने के निदर्शन भी हैं। कहना तो प्राय: सरल होता है पर करना कठिन और यदि आचरण करने वाला कहता है तो सुनने वाले पर उसका असर अधिक पड़ता है। श्रीकृष्ण जिस सिद्धांत की बात करते हैं वह कोरी सिद्धांत की ही बात नहीं है। वह सब कर के दिखाते हैं और उनके जीवन के विविध प्रसंग और उनके द्वारा विभिन्न अवसरों पर शिष्य, मित्र, भाई, सारथि, बंधु और बांधव की भूमिकाओं का उनके द्वारा निर्वाह यह प्रमाणित करता चलता है कि जीवन कैसे जीना चाहिए।

वस्तुत: गीता यदि सूत्र है तो कृष्ण का जीवन उस गीता का भाष्य है। श्रीकृष्ण के जीवन की विविधता अपरिमित है और इसीलिए उसमें विलक्षण किस्म की गतिशीलता भी है जो जीवन के व्यापक प्रयोजन को स्थापित करती है। श्रीकृष्ण जीवन को समग्रता में स्वीकार करते हैं और पूर्णता में जीते हैं।(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

मध्य प्रदेश में जन-जन तक पहुंची भाजपा

विष्णुदत्त शर्मा

मध्य प्रदेश में हाल में हुए नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में हुई जीत-हार राजनीतिक विश्लेषण का विषय हो सकती है, लेकिन जनता के संदेश को समझने के लिए किसी विशेषज्ञ की जरूरत नहीं है। सुदूर ग्रामीण अंचलों से लेकर तेजी से महानगर बन रहे शहरों तक यह संदेश एक ही भाषा में है। इससे पता चलता है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की गरीब कल्याण तथा विकास की योजनाओं के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी भी जन-जन तक पहुंच चुकी है। एक राजनीतिक दल और जन का आपसी जुड़ाव अब इतना परिपक्व हो चुका है कि विरोधियों के तमाम झूठ और दुष्प्रचार भी इन्हें अलग नहीं कर पा रहे हैं। पार्टी और जन के इस जुड़ाव के शिल्पकार वे परिश्रमी और समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो हर मुसीबत में लोगों का सहारा बने। उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनका लाभ भी दिलाया।

राष्ट्रवाद और अंत्योदय के रास्ते पर चलने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकारों के लिए विकास और गरीब कल्याण सिर्फ नारे नहीं हैं, क्योंकि अगर ये नारे होते तो ये भी गरीबी हटाओ के नारे की तरह इतिहास में दफन हो चुके होते। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य सरकारों ने गरीब कल्याण और विकास को ही अपना लक्ष्य बनाया और अंत्योदय के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ प्रयास शुरू किए। लोगों तक वास्तविक लाभ पहुंचाने के लिए योजनाएं डिजाइन की गईं। एक तरफ प्रदेश की भाजपा सरकार ने लाड़ली लक्ष्मी, मुख्यमंत्री कन्यादान, तीर्थदर्शन और संबल जैसी योजनाएं शुरू की, जिनके दायरे में गरीब मजदूरों, किसानों, छोटे व्यापारियों, बुजुर्गों, छात्र-छात्राओं से लेकर गर्भवती महिलाओं तक को शामिल किया गया। वहीं, केंद्र की मोदी सरकार ने लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री आवास, गरीब कल्याण अन्न योजना, स्ट्रीट वेंडर योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि और उज्जवला जैसी योजनाएं लागू की तथा उन पर ईमानदारी से अमल के लिए एक सिस्टम भी बनाया। यही वजह है कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभ झारखंड और ओड़िशा के आदिवासी अंचलों से लेकर सुदूर उत्तरपूर्व के पहुंचविहीन गांवों तक और विकास के रास्ते पर कदम बढ़ा रहे कस्बों से लेकर महानगरों की झुग्गी बस्तियों तक समान रूप से पहुंच रहे हैं।

भाजपा सरकार की योजनाएं लक्षित वर्ग के जीवन में जो बदलाव ला रही हैं, उसकी कुछ दशक पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। जिस व्यक्ति के लिए अपना और परिवार का पेट भरना ही मुश्किल रहा हो, वह पक्के घर में रहने, बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने या महंगे अस्पतालों में इलाज कराने की कल्पना भी कैसे कर सकता था? लेकिन अब यह सब जमीन पर साकार हो रहा है और जनता अपने जीवन में इन योजनाओं के फलस्वरूप आ रहे बदलावों को पूरी शिदृत से अनुभव भी कर रही है। निकाय और पंचायत चुनाव में जनता ने भारतीय जनता पार्टी को जो ऐतिहासिक समर्थन दिया है, वह साफ बताता है कि जनता को विकास की आदत लग गई है और विकास के रास्ते पर अब वह पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहती।

पार्टी संगठन ने स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे के जन्मशताब्दी वर्ष को संगठन पर्व के रूप में मनाने का निर्णय किया था और इसके अंतर्गत संगठन को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं तथा अभियान शुरू किए गए थे। बूथ विस्तारक योजना, बूथ डिजिटाइजेशन और त्रिदेव जैसी योजनाओं को जमीन पर उतारने में पार्टी के उत्साही कार्यकर्ता पूरे समर्पण के साथ जुट गए थे। इन योजनाओं के चलते पार्टी कार्यकर्ताओं ने जन-जन तक अपनी पहुंच बनाई। हर वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़ा। पुराने हितग्राहियों से संपर्क किया और नए पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ा। नगर निकाय और पंचायत चुनाव में पार्टी को मिली सफलता इन कार्यकर्ताओं के परिश्रम का प्रतिफल भी है।

पंचायत और निकाय चुनाव के परिणामों से साबित हो गया है कि ठेठ ग्रामीण अंचलों से लेकर महानगरों तक भाजपा के प्रति जनता का समर्थन बढ़ा है। प्रदेश की २२९२४ पंचायतों में हुए चुनाव में १९८६३ से अधिक पंचायतों में भाजपा समर्थित उम्मीदवार सरपंच बने। ५१ जिला पंचायतों में से ४२ में भाजपा के उम्मीदवार अध्यक्ष चुने गए। यही स्थिति नगरीय निकायों में भी रही। प्रदेश के नौ नगर निगमों में महापौर भाजपा के चुने गए। जिन नगर निगमों में महापौर भाजपा के नहीं हैं, वहां भी पार्षद भाजपा के अधिक हैं और अधिकांश नगर निगम परिषद में भाजपा के उम्मीदवार ही अध्यक्ष चुने गए हैं। यही स्थिति नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में भी रही है। प्रदेश की ७६ नगर पालिकाओं में से ५९ में भाजपा के अध्यक्ष चुने गए हैं और इनमें से भी दो नगर पालिकाओं में भाजपा निर्विरोध जीती है। इसी तरह प्रदेश की २५५ नगर पालिका परिषदों में से २१२ में भाजपा के अध्यक्ष चुने गए हैं और १४ नगर परिषदों में भाजपा निर्विरोध चुनाव जीती है। चुनाव तो भाजपा जीती ही है, लेकिन इस बार के पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों की जो सबसे बड़ी उपलब्धि रही है, वह यह है कि पंचायत जैसे छोटे स्तर के चुनाव में भी बड़ी संख्या में भाजपा समर्थित उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। बढ़ती राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के दौर में यह एक सुखद संकेत है और इसके लिए प्रदेश की जनता बधाई की पात्र है।

ओडिशा: नवीन ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए १५ दिनों की राहत सहायता की घोषणा की

भुवनेश्वर,
ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए १५ दिनों की अवधि के लिए राहत सहायता की घोषणा की।
पटनायक ने महानदी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के हवाई सर्वेक्षण के बाद यह घोषणा की ।
उन्होंने कहा कि खोरधा, पुरी, कटक, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर जिले के उन गांवों के लोगों को १५ दिनों के लिए राहत मुहैया कराई जाएगी जहां बाढ़ का पानी गांवों में घुस गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबलपुर, बड़गढ़, सोनपुर, बौध और अंगुल जिलों के गांवों में जहां बाढ़ का पानी गांवों में घुस गया है, वहां के लोगों को सात दिन की राहत सहायता मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत, पका हुआ भोजन, स्वास्थ्य देखभाल, पीने का पानी, चारा और पशुओं को चिकित्सा जैसी हर तरह की सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को बाढ़ का पानी घटने के बाद सात दिनों के भीतर नुकसान का आकलन करने और प्रभावित लोगों को १५ दिनों के भीतर घर की क्षति और फसल हानि सहायता प्रदान करने के लिए कहा गया था। मुख्यमंत्री ने केंद्रपाड़ा जिले में लूना, चित्रोत्पाल नदियों के द्वीपों, पाइका नदी के द्वीपों, जगतसिंहपुर जिले के महानदी, कुजंगा और नौगांव की एक शाखा, गोपा, निमापारा, अस्टारंगा, डेलंगा, पिपिली और कंस के निचले इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया. पुरी जिले में नुकसान का आकलन करने के लिए मुख्यमंत्री ने फसल भूमि के बड़े हिस्से के जलमग्न होने और बाढ़ के पानी में घरों के नुकसान पर चिंता व्यक्त की। मुख्यमंत्री के सचिव और ५ऊ सचिव वी के पांडियन हवाई सर्वेक्षण के दौरान उनके साथ थे।

सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र स्टील प्लांट के हॉट स्ट्रिप मिल-२ ने स्वतंत्रता दिवस पर नई ऊंचाईयों को छुआ

राउरकेला
सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) के हॉट स्ट्रिप मिल-२ के कर्मचारियों ने नए उत्पादन रिकॉर्ड बनाकर ७६वां स्वतंत्रता दिवस पालन किया। मिल ने १५ अगस्त २०२२ को ७०७३ टन स्लैब रोल किया और ६८१६ टन वजन वाले ३२० क्वायल का उत्पादन किया, जो कि स्थापना के बाद से इसका सर्वश्रेष्ठ निष्पादन है। ६८१८ टन स्लैब और ६६८९ टन क्वायल का पिछला सर्वश्रेष्ठ एक दिवसीय रोलिंग १९ जून, २०२२ को हासिल किया गया था। इसके अलावा एच.एस.एम.-२ ने १५ अगस्त, २०२२ को 9बी‘‘ शिफ्ट में २७३५ टन स्लैब रोल किया और उक्त शिफ्ट में २६७० टन एच.आर. क्वायल बनाकर एक शिफ्ट में एच.आर. क्वायल का उत्पादन रिकॉर्ड भी बनाया। बनाकर २६०० टन स्लैब और २५२४ टन एच.आर. क्?वायल को किसी एक शिफ्ट में रोल करने का पिछला सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड ८ अगस्त २०२२ को हासिल किया गया था।
एच.एस.एम.-२ कर्मीसमूह और सभी संबद्ध इकाइयों को बधाई देते हुए आर.एस.पी. के निदेशक प्रभारी, श्री अतनु भौमिक ने कहा कि, 9यह अमृत काल में मिल की शानदार यात्रा की शुरुआत हो सकता है। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री एस.आर.सूर्यवंशी ने १६ अगस्त को एच.एस.एम.-२ का दौरा किया और कर्मीसमूह को उल्लेखनीय निष्?पादन के लिए बधाई दी और मिठाई बॉटी। इस अवसर पर बोलते हुए श्री सूर्यवंशी ने कहा, 9शानदार प्रदर्शन कर्मीसमूह की भावना, दृढ़ संकल्प और व्यावसायिकता को दर्शाता है। यह इंगित करता है कि यदि आप अभिलाषा रखते है और योजना को क्रियान्वित करते हैं, तो लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्य है।
एच.एस.एम.-२ और संबंधित विभाग के कर्मीसमूह ने शीर्ष प्रबंधन को संयंत्र को अधिक से अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।
उल्लेखनीय है कि, ३ मिलियन टन प्रति वर्ष (एम.टी.पी.ए.) क्षमता वाली हॉट स्ट्रिप मिल-२ भारत में कुछ समानांतरों के साथ एक अत्याधुनिक मिल है और यह विश्व स्तरीय हॉट रोल्ड (एच.आर.) क्वायल का उत्पादन करेगी। मिल को ३१ मार्च २०२२ को चालू किया गया था।
उच्च स्तर के स्वचालन के साथ, यह मिल कार्बन स्ट्रक्चरल स्टील, हाई स्ट्रेंथ लो एलॉय (एच.एस.एल.ए.) स्टील, हाई कार्बन स्टील, एल.पी.जी. सिलेंडर स्टील, लो अलॉय स्टील, ए.पी.आई. (एक्स.९०० तक) पाइप स्टील और ऑटो-ग्रेड स्टील के क्?वायल का उत्पादन करेगी। नवीनतम और परिष्कृत तकनीक से लैस, मिल गुणवत्ता, फिनिश, आयाम और अन्य मापदंडों के मामले में ग्राहकों की सख्त आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

ओडिशा में तीन दिन भारी बारिश की चेतावनी, १७ जिलों में आरेंज अलर्ट जारी

भुवनेश्वर
उत्तर पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। यह १२ घंटे में सक्रिय निम्न दबाव में तब्दील हो जाएगा। २४ घंटे में इसे गहरे दबाव में तब्दील होने की सम्भावना है।
कम दबाव के प्रभाव से राज्य में आज से बारिश की मात्रा बढ़ जाएगी। भुवनेश्वर क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने ट्वीट कर यह जानकारी दी।
`मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, राज्य में १८ और १९ और २० अगस्त को तीन दिन वर्षा होगी। १८ अगस्त को बालेश्वर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जाजपुर, जगतसिंहपुर, कटक, खुर्दा, नयागढ़, पुरी, गंजम और गजपति, केंदुझर, मयूरभंज, ढेंकनाल, सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, कालाहांडी और बरगढ़ में कुछ जगहों पर वर्षा हुई है।
हालांकि १९ अगस्त को वर्षा की मात्रा अधिक होगी। तटीय समेत आंतरिक ओडिशा में भारी से भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके लिए १७ जिलों को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।इसी तरह २० तारीख को पश्चिम ओडिशा में भी भारी वर्षा की संभावना है। मौसम केंद्र ने जानकारी दी है कि २१ तारीख से राज्य में वर्षा की मात्रा में कमी आएगी।
वहीं एसआरसी ने केन्दुझर, भद्रक, जाजपुर जिलों के निवासियों को कम दबाव के कारण होने वाली वर्षा को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। एसआरसी ने कहा कि सतर्क रहें क्योंकि ये जिले बैतरणी नदी से सटे हुए हैं।

शहरवासियों को सुंदरगढ़ जिला एसपी का आभार

शांन्ति व सद्भाव पूर्ण वातावरण में मुहर्रम जुलूस निकलने पर जताई प्रसन्नता

राजेश दाहिमा
राजगांगपुरः
शहर में शांति व सद्भाव पूर्ण वातावरण में मुहर्रम जुलूस निकालने पर प्रसन्नता जताते हुए सुंदरगढ़ जिला एसपी ने शहरवासियों के प्रति आभार जताया। शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम जुलूस सम्पन्न कराने के लिए सभी सामाजिक संगठनों , समुदाय व मीडिया से मिले सहयोग के लिए सुंदरगढ़ जिला एसपी सागरिका नाथ ने थाने परिसर में आभार बैठक की,जिसमें मौजूद सभी समुदाय से आए प्रमुख लोगों को धन्यवाद दिया और कहा आगे भी ऐसा भाईचारे का मिशाल बनाए रखें।
मंगलवार शाम को स्थानीय थाना परिसर में आयोजित आभार बैठक में उपस्थित प्रबुद्ध लोगों को संबोधित करते हुए एसपी सागरिका नाथ ने कहा कि आप सभी लोगों के सहयोग से शांति व सद्भाव पूर्ण वातावरण में मुहर्रम जुलूस संभव हो पाया है और इसमें सभी समुदाय के लोगों ने अपनी अपनी भूमिका को बेखूबी निभाया है।
ताजीया जुलूस को धूमधाम से संपन्न कराने में जिला प्रशासन व स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग बनाए ह रखने से ही यह आयोजन सफल हुआ है। उन्होंने सभी का शुक्रिया अदा करते हुए साधुवाद दिया।
बैठक में उपस्थित नगरपाल माधुरी लुगुन ने कहा कि राजगांगपुर शहर भाईचारे का शहर है। यहां की कौमी एकता अनूठी मिसाल है। यहां पर सभी संप्रदाय

के लोग मिलकर हर पर्व, त्योंहार मनाते हैं।
राजगांगपुर एसडीपीओ डॉ शंशाक शेखर बेउरा, थाना प्रभारी बिबत्स कुमार प्रधान, मुस्लिम पंचायत के संरक्षक शोएब आलम,जफर मोबिन,भाजपा नेता कुलदीप सिंह, कांग्रेस के पूर्व युवा अध्यक्ष फइम अख्तर,खालीद भाई,कुतूब रब्बानी, मसूद अमन, संजीव बेहुरा, अशोक दास, राजेंद्र बेहरा, पार्षद श्वेता अग्रवाल, भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष शेखर दाहिमा सहित शहर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रह कर एसपी की इस पहल का स्वागत किया और उनके प्रति आभार जताया।

बीजद ने ३० जिलों के लिए छह वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किए

भुवनेश्वरः २०२४ के चुनावों से पहले, बीजू जनता दल (बीजद) सुप्रीमो और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पार्टी के छह पदाधिकारियों को ३० जिलों के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया।
बीजद की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य के वित्त मंत्री निरंजन पुजारी को नुआपाड़ा, कालाहांडी, बोलांगीर और बरगढ़ जिलों का वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।
इसी तरह, सांसद प्रसन्ना आचार्य को कटक, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, जाजपुर, भद्रक और बालासोर जिलों का वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।
इसके अलावा, मंत्री प्रमिला मलिक को मलकानगिरी, कोरापुट, नवरंगपुर, रायगडा और गजपति जिलों में वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, जबकि विधायक देवी प्रसाद मिश्रा को गंजम, नयागढ़, कंधमाल, खुर्दा, पुरी और बौध जिलों में वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

ओडिशा में बाढ़ के पानी के तेज बहाव में बह गए पांच नाबालिग, एक की मौत

भुवनेश्वर:बाढ़ के पानी में नहाते समय पांच नाबालिग बाढ़ के बहाव में बह गए है। हालांकि इन पांच नाबालिगों में से चार तैरकर बाहर आ गए जबकि नाबालिग लापता हो गया।
ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की और नाबालिग को बेहोशी की हालत में मिलने के बाद मेडिकल सेंटर ले गए जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह दुखद घटना कटक जिले के आठगड़ इलाके में हुई है। मृतक नाबालिग का गांव ब्राह्मणवस्त इलाके में है और उसका नाम प्रद्युम्न राउत (१४) है।
जानकारी के मुताबिक ब्राह्मणबस्त गांव के पांच नाबालिग आज बिष्णुपुर जोर के पास तैर रहे थे।
इस समय नदी की धारा तेज होने के कारण वे सभी तैरकर दूर जा गिरे। उनमें से चार तैरकर तो जिंदा बाहर निकल आए मगर प्रद्युम्न का कोई सुराग नहीं मिला। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने गंभीर हालत में उसे बचाया।उन्हें तुरंत माधपुर मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया। वहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने उसे अष्टगढ़ रेफर कर दिया। वहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रद्युम्न के परिवार ने शिकायत की है कि काफी देर तक एंबुलेंस नहीं आने के कारण यह हादसा हुआ।

निर्माणधीन ओवरब्रिज

सरकार की उदासीनता के चलते अधर में लटका निर्माण कार्य

राजेश दाहिमा
राजगांगपुर
विगत तीस वर्षों पुरानी बहुप्रतीक्षित राजगांगपुर रेलवे ओवर ब्रिज की मांग को लेकर वर्तमान समय में भी शहरवासी असमंजस में हैं कि यह कब पूरा होगा ओवरब्रिज निर्माण कार्य।
यूं तो आए दिन हर अखबार और चैनल पर अक्सर खबरें प्रकाशित व प्रसारण हो रही हैं।साथ ही साथ स्थानीय विधायक, मंत्री और नेताओं सहित आम जनता को ओवरब्रिज निर्माण कार्य अधर में लटक रहा है के बारे में सूचित किया जा रहा है।
वहीं दूसरी ओर प्रशासन को भी स्थिति से अवगत करवाया गया और इसके समाधान की मांग की गई है। वहीं दूसरी यह हमारी बिडंबना रही की नेताओं के गढ़ में आज भी शहरवासी मौलिक सुविधाओं से वंचित हो गए हैं। चाहे वो सड़क का मामला हो,या नालियों की या फिर आवास योजना की,या फिर राशनकार्ड की।
विभागीय अधिकारियों सहित स्थानीय प्रशासन एवं जिला प्रशासन को सभी जानकारी मिलने पर भी कोई भी सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा है और उनकी उदासीनता के चलते शहरवासियों को ढेर सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा

है। सदियों से शहरवासी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस संबंध में, स्थानीय मिडिया प्रभारियों ने एक बैठक का आयोजन डाक बंगला परिसर में किया।
इस बैठक में विचार विमर्श कर राय व्यक्त की गई कि केवल समाचार प्रकाशित और प्रसारण करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। हमें एकजुट होकर जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता है तब तक हमें आवाज बुलंद करनी होगी। कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है, इसके तह तक जाना होगा।
मालूम रहे। मिडिया प्रभारियों ने समाचार प्रकाशित करने सहित प्रसारण करते हुए शिकायत की है कि शहर में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है।, घटिया विकास कार्यों, भ्रष्टाचार और यहां तक कि मौखिक रूप से शिकायत करने के बाद भी विभागीय अधिकारियों या जिला प्रशासन मूक दर्शक बने हुए हैं जबकि उनकी जिम्मेदारी बनती है कि शहरवासियों की समस्याओं से अवगत होते हुए समाधान करें।
इस कड़ी में मिडिया प्रभारियों ने सह सम्मति से निर्णय लिया है कि जबतक समस्याओं का समाधान नहीं होता है तब तक अखबारों में प्रकाशित करने के साथ प्रसारण भी करें और जरूरत पड़ने पर सड़कों पर उतरेंगे।
गौरतलब है कि रेल विभाग को रेलवे की ओर से चार पिलर्स बनाए हुए एक साल से अधिक समय बीत चुका है और अब उसके ऊपर स्लैब डालने की तैयारी है। ।
लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है या कोई जानकारी नहीं मिली है कि कब तक होगा। इस कड़ी का सबसे अहम पहलू यह है कि ओवरब्रिज के दोनों ओर एप्रोच रोड के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण भी नहीं किया गया है। जबकि एप्रोच रोड के लिए आवश्यक भूमि का ९५ प्रतिशत हिस्सा सरकारी भूमि है और ५ हेक्टेयर से कम भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। लेकिन वो भी अभी तक नहीं हो पाया है। जबकि ये भी राज्य सरकार के अधीन है। उसके बाबजूद स्थानीय प्रशासन, जिला प्रशासन एवं विभागीय अधिकारी जान कर अंजान बने हुए हैं और शहरवासियों को ढेर सारी दिक्कतों का सामना करने के लिए छोड़ कर मूक दर्शक बन गए हैं। प्रश्न चिंतित है कि उत्तर कौन देगा ?
दूसरी ओर खबर ये भी है कि राज्य सरकार का अधिकार क्षेत्र होने के बाबजूद भी प्रशासन और राजनैतिक नेता कह रहे हैं कि २५ साल से काम चल रहा है, फाइल पर विचार विमर्श किया जा रहा है।

सम्मानित पूर्व सैनिक

पांच राज्यों के ७५ सेवानिवृत्त सैनिक सम्मानित

डालमिया भारत सीमेंट का सैल्युटिंग ७५ थीम पर सम्मान समारोह आयोजित

राजेश दाहिमा
राजगांगपुरः
भारत के ७६वें स्वतंत्रता दिवस के उत्सव पर 9डालमिया भारत‘‘ पूर्वी क्षेत्र के ७५ सेवानिवृत्त सैनिकों को सम्मानित किया।
देश के अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) देश के पूर्वी क्षेत्र के पांच राज्यों से देश के ७५ सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान करते हुए, “भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अमृत महोत्सव” में पदार्पण किया है।
’सैल्यूटिंग ७५’ थीम के तहत पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में एक साथ आयोजित सम्मान समारोहों में देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के अमूल्य योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। उनका यह योगदान कल भी और आज भी सभी भारतीयों को प्रेरित करता है। समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान गाने से हुई। उसके बाद, एक सामाजिक सभा हुई, जिसमें विभिन्न स्थानों और रैंकों के तहत भारतीय सेना या सुरक्षा सेवाओं में अपनी सेवा प्रदान करने वाले ७५ राष्ट्रीय नायकों को सम्मानित किया गया।
डालमिया भारत टीम, उसके सहयोगियों और प्रमुख प्रभावशाली हस्तियों की मौजूदगी में उन्हें एक फलक, स्मृति चिह्न, शाल, भारतीय

राष्ट्रीय ध्वज और विशेष रूप से उनके लिए ही बनाई गई कलम भेंट की गई।
कंपनी की ‘सैल्यूटिंग ७५’ पहल पर अपनी बात रखते हुए कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हमने भारत की आज़ादी के पर्व के दिन गर्व से जश्न मनाया और साथ ही हम अपने देश के नायकों की अदम्य भावना और अपनी मातृभूमि की सेवा करने की उनकी कर्तव्य भावना की सराहना करने का अवसर भी नहीं चूके। अपने देश के प्रति उनके धैर्य, वीरता और समर्पण की वजह से हम अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को कायम रखने में मदद मिली है। अपने जीवित दिग्गज योद्धाओं के योगदान को सम्मानित करने के अलावा, हमने अपने उन शहीद नायकों को भी सम्मानित किया।जिन्होंने हमारे देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।
सम्मानित करने के लिए चुने गए ये ७५ पूर्व सैनिक पूर्वी भारत के पांच राज्यों से हैं। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी और कोलकाता से २० दिग्गज सैनिकों को सम्मानित किया गया। ओडिशा के राजगांगपुर, भुवनेश्वर और भद्रक तटीय क्षेत्रों से १५ नायकों को सम्मानित किया गया। बिहार के मुज़फ़्फ़रपुर, दाऊदनगर और औरंगाबाद शहरों से २५ दिग्गज सैनिकों को सम्मानित किया गया, जबकि यूपी के वाराणसी से १० और झारखंड के बोकारो से ५ बहादुरों को सम्मानित किया गया।
भारत की आज़ादी के ७५ साल पूरे होने के अवसर पर इस सम्मान को केंद्र सरकार की 9आज़ादी का अमृत महोत्सव‘‘ पहल के साथ जोड़ा गया।

लायंस क्लब ऑफ कटक पर्ल ने आजादी का अमृत महोत्सव बचचो के साथ मनाया

कटकः- लायंस क्लब कटक पर्ल ने हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राष्ट्रप्रेम एवं अपने सामाजिक कर्त्तव्य को निभाते हुए डिस्ट्रिक्ट विमन कोरडीनेटर लायन सम्पत्ति मोड़ा के नेतृत्व में रमा देवी शिशु बिहार एवं सहाय के बच्चों के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव , स्वतंत्रता दिवस का पालन किया.
गौरतलब है कि रमा देवी शिशु बिहार एवं सहाय में लायन श्याम सुंदर मोड़ा एवं लायन सम्पत्ति मोड़ा के सौजन्य से सोनम प्ले हाउस संचालित है। रमा देवी शिशु बिहार के बच्चों को फिजियोथेरेपी शिक्षक का मासिक वेतन एवं उनके ज़रूरत के सारे इक्विपमेंट का पूरा ख़र्चा लायन सम्पत्ति मोड़ा एवं पर्ल सदस्यों द्वारा वहन किया जाता है।पर्ल सदस्यों द्वारा इन बच्चों के साथ आज का दिन बहुत ही खास तरीके से मनाया , सम्पत्ति मोड़ा ने अपने अभिभाषण में कहा की हमारे देश के अनगिनित महापुरुषों ने देश को आज़ादी दिलाने के लिए अपना बलिदान दिया है , रक्त बहाया है , उनके इस बलिदान की वजह से आज पूरा भारतवर्ष आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है. पर्ल अध्यक्ष लायन अलका सिंघी ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी. लायन कल्पना जैन, लायन रश्मि मित्तल एवं प्रिया सिंघी ने उपास्थित रहकर बच्चों को चॉकलेट, केक, पेंसिल बॉक्स, पेन, पेंसिल, रबर वगैरह कई चीजें वितरण करने में सहायता की. पर्ल सदस्यों का मानना है कि इन बच्चों के चेहरे की मुस्कुराहट ही हमारा उपहार है.

टेक्सटाईल मर्चेंट एसोसिएशन ने मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

कटक :- ओडिशा की सबसे पुरानी व सबसे बड़ी कपड़ा एसोसिएशन टेक्सटाईल मर्चेंट एसोसिएशन कटक ने स्थानीय जुबली टॉवर में स्थित टेक्सटाईल मर्चेंट एसोसिएशन कार्यालय में आजादी का ७५वां अमृत महोत्सव उपाध्यक्ष नरेश खटोड़ की अध्यक्षता में व महासचिव राजेश अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में बड़े धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्र ध्वज तिरंगा के ध्वजारोहण के साथ हुई. संस्था के पूर्व उपाध्यक्ष एवं भजन गायक दिनेश जोशी के साथ उपस्थित सभी सदस्यों ने राष्ट्रगीत का गान किया। सभा के अध्यक्ष नरेश खटोड़ ने पधारे हुऐ सभी सदस्यों एवं सम्मानीय अथितिगण का स्वागत करते हुऐ सभी को

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी। तत्पश्चात संस्था के कर्मठ ऊर्जावान मंत्री राजेश अग्रवाल ने संस्था की गति प्रगति की पूरी जानकारी सदन के समक्ष रखी. कार्यक्रम के सम्मानीय अथिति के तौर पर प्रहलाद खंडेलवाल, नथमल चनानी, कमल सिकारिया, सुरेश कमानी, सुभाष केड़िया, पुरुषोत्तम अग्रवाल आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी। संस्था के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल सिंघी को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा राजस्थान प्राइड के पुरस्कार से सम्मानित होने पर संस्था की ओर से शाल्यार्पन भेंट कर एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।

हीराकुंड बांध के २८ स्लुइस गेटों से छोड़ा जा रहा बाढ़ का पानी

संबलपुर : निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हीराकुंड बांध अधिकारियों ने जलाशय के चार अन्य स्लुइस गेट बंद कर दिए हैं. वर्तमान में बाढ़ का अतिरिक्त पानी जलाशय के २८ गेटों से छोड़ा जा रहा है।
“सीई हीराकुंड बांध द्वारा हीराकुंड में चार और फाटकों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार, २८ द्वार खुले रहेंगे, ”विशेष राहत आयुक्त प्रदीप जेना ने एक ट्वीट में सूचित किया।
बाढ़ का पानी छोड़ने के लिए खोले गए हीराकुंड बांध के ४० गेटों में से गुरुवार को १२ स्लुइस गेट बंद कर दिए गए हैं. इससे पहले दिन में, आठ स्लुइस गेट बंद कर दिए गए थे और आज शाम को जलाशय के चार और स्लुइस गेट को बाढ़ के पानी के निर्वहन को नियंत्रित करने के लिए बंद कर दिया गया।

सार समाचार

कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर की तस्वीर वाली टीशर्ट पहन स्वर्ण मंदिर पहुंचा कांग्रेस नेता

अमृतसर । पंजाब के कांग्रेस कार्यकर्ता करमजीत सिंह गिल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी तस्वीर सामने आई है जिसमें करमजीत कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर की तस्वीर वाली टीशर्ट पहने हुए स्वर्ण मंदिर में दिख रहे हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (एसजीपीसी) ने मामले में शिकायत दर्ज की है। एसजीपीसी ने उकसावे वाली हरकत मानते हुए कड़ी निंदा की है। एसजीपीसी के मुखिया हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि कांग्रेस नेता टाइटलर सिख दंगों के मुख्य आरोपी थे और उन्हें कभी माफ नहीं किया जा सकता। अमृतसर पुलिस ने मामले में करमजीत सिंह गिल के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। धामी ने कहा कि यह पूरी तरह से एक सुनियोजित साजिश है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस का एक नेता इस तरह की हरकत गुरुद्वारे में करता है, तब यह सोची-समझी साजिश लगती है। गिल कांग्रेस एससी सेल के चेयरमैन हैं, पहले भी विवादों में आ चुके हैं। धामी ने कांग्रेस को भी सिख विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस ने एक बार फिर सिखों की भावनाओं को आहत किया। एसजीपीसी मुखिया ने कहा कि स्वर्ण मंदिर में दुनिया भर के सिखों और अन्य लोगों की आस्था है। इसके बाद यहां कांग्रेस नेता टाइटलर की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनना भावनाएं भड़काने जैसा है। करमजीत सिंह गिल की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है।

राजस्थान के बाद यूपी में टीचर बना हैवान, बेहरमी से पिटने पर छात्र की मौत

श्रावस्ती। राजस्थान के जालौर में शिक्षक की पिटाई से छात्र की मौत का मामला पूरी तरह से थमा भी नहीं था कि अब यूपी से एक छात्र की मौत की खबर सामने आई है। श्रावस्ती जिले से एक टीचर का बेरहम चेहरा सामने आया है। सिरसिया थाना क्षेत्र के एक प्राइवेट स्कूल में टीचर ने छात्र को इस कदर बेरहमी से पीटा कि उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक छात्र का नाम बृजेश विश्वकर्मा और उम्र 10 साल थी। मामला ग्राम बंकटवा दारी पुरवा सिरसिया का है, जहां प्राइवेट स्कूल के टीचर ने बच्चे को बुरी तरह पीटा, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बहराइच भेजा गया है।

अल-कायदा से जुड़े दो संदिग्ध बंगाल से गिरफ्तार, एसटीएफ ने मांगी 14 दिन की पुलिस कस्टडी

नई दिल्ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) इकाई ने बुधवार देर रात उत्तर 24 परगना जिले से भारतीय उपमहाद्वीप (एक्यूआईएस) में अल कायदा के अब्दुर रकीब सरकार और काजी अहसन उल्लाह नामक दो संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ इकाई के अधिकारियों ने बुधवार रात उत्तर 24 परगना के शासन थाना क्षेत्र के खारीबाड़ी में छापेमारी की और दोनों को आतंकवादी संगठन के साथ कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया। एसटीएफ की तरफ से 14 दिन की पुलिस कस्टडी की मांग की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उनमें से एक की पहचान दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर के निवासी के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान हुगली जिले के आरामबाग के रहने वाले के रूप में हुई है, उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान उनके कब्जे से कई दस्तावेज जब्त किए गए। दोनों को एक्यूआईएस से जुड़े होने के कारण गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से अत्यधिक कट्टरपंथी विचारों वाले, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के संकेत वाले दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनके खिलाफ एक विशेष मामला शुरू किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, 'दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला है कि एक्यूआईएस के कम से कम 17 अन्य सदस्य इस क्षेत्र में सक्रिय हैं।' अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार दोनों को गुरुवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

पार्थ और अर्पिता मुखर्जी की न्यायिक हिरासत को 31 अगस्त बढ़ाई गई

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती दिख रही हैं। इसी बीच अदालत ने पार्थ और अर्पिता मुखर्जी की न्यायिक हिरासत को 31 अगस्त तक के लिए बढ़ाया है। विशेष पीएमएलए अदालत ने स्कूल भर्ती घोटाले में मनी ट्रेल की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच के सिलसिले में 31 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। बता दें कि पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी को ईडी ने 23 जुलाई को बंगाल के स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कथित अवैध भर्ती के मामले में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी दोनों से लगातार पूछताछ कर रही है और ईडी को कई अहम सबूत भी हाथ लगे हैं।

ईडी की टीम ने मंगलवार और बुधवार को पूछताछ के नए दौर में पार्थ चटर्जी और अर्पित मुखर्जी से कई अहम सवाल पूछे। एक जांच अधिकारी ने बताया था कि हमने अर्पिता मुखर्जी से मंगलवार को पूछताछ की थी और उसने हमें कई सुराग दिए हैं जिसके आधार पर हम बुधवार को पार्थ चटर्जी से पूछताछ करने वाले हैं। स्कूल भर्ती मामले में हुई अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में ईडी ने पिछले महीने पार्थ चटर्जी और अर्पित मुखर्जी को गिरफ्तार किया था। इस केंद्रीय एजेंसी ने कोलकाता के अलग-अलग हिस्सों में मुखर्जी के घरों से करोड़ों रुपये भी जब्त किए हैं।

रायगढ़ जिले में हरिहरेश्वर बीच के पास मिली संदिग्ध नाव, नाव से एके 47 मिलने की जानकारी

मुंबई । महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में हरिहरेश्वर बीच के पास संदिग्ध नाव मिलने की प्रारंभिक सूचना मिली है। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक नाव से एके 47 मिलने की जानकारी है। पुलिस सहित कई एजेंसियां मौके पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यह नाव ओमान सिक्योरिटी की स्पीड बोट है। हालांकि बोट में कोई आदमी नहीं था। आमतौर पर इलाके में पाकिस्तानी नाव मिलने की आशंका रहती है, जिससे जासूसी की जाती है। हालांकि इस मामले में अभी इस बात की पुख्ता सूचना नहीं है कि नाव पाकिस्तान की ओर से आई है या नहीं। इस मामले में और अधिक सूचना का इंतजार है। वहीं संदिग्ध बोट मिलने के बाद महाराष्ट्र के सभी समुद्री इलाकों को अलर्ट कर दिया गया है। शुक्रवार को पूरे महाराष्ट्र में दही हांडी का त्यौहार है। यह देखकर महाराष्ट्र पुलिस किसी भी तरह का कोई रिस्क नही लेना चाहती है और इसके चलते सभी जिले की पुलिस अलर्ट पर है। सूत्रों के मुताबिक रायगढ़ मामले में नाव की बरामदगी के बाद आंतकी घटना पर भी खुफिया विभाग भी नजर बनाए हुए है। सूत्रों के मुताबिक यह पाकिस्तान आईएसआई की एक चाल भी हो सकती है। अत्याधुनिक हथियारों की खेप खासकर एके 47 ओमान के रास्ते भारत भेजने की एक खतरनाक साजिश है। ताकि पाकिस्तान इंटरनेशनल फोरम पर खुद को पाक साफ साबित कर सके। रिपोर्ट के मुताबिक एसपी रायगढ़, अशोक धुधे ने हरिहरेश्वर बीच के पास नाव में एके 47 मिलने की पुष्टि की। उन्होंने इस बारे में कोई अन्य जानकारी साझा नहीं की कि नाव स्पीड बोट थी या कोई अन्य नाव। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है। सूत्रों से मिली जानकारी में कहा गया है कि यह ऑस्ट्रेलिया में बनी नाव है। जिस जगह पर बोट मिली है वह जगह मुंबई से करीब 200 किमी और पुणे से 170 किमी दूर है।

बिलकिस बानो मामले में गुजरात सरकार ने केंद्र सरकार से परामर्श किया : चिदंबरम

नई दिल्ली । पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने बिलकिस बानो मामले में सजा में छूट पर सवाल उठाया है। चिदंबरम ने ट्वीट में कहा, कानून की तय स्थिति यह है कि इसतरह के मामले में जहां अभियोजन एजेंसी सीबीआई थी, राज्य सरकार सजा में छूट देने से पहले केंद्र सरकार से परामर्श करने के लिए बाध्य है।卐 उन्होंने कहा कि जो स्पष्ट प्रश्न उठे, वे यह है कि 卐क्या गुजरात सरकार ने केंद्र सरकार से परामर्श किया? इसके बाद, केंद्र सरकार का क्या विचार था?卐 उन्होंने कहा, 'यह अकल्पनीय है कि गुजरात सरकार ने केंद्र सरकार के दृष्टिकोण की अवहेलना की होगी, पीएम और गृहमंत्री को इन सवालों के जवाब दें। वे चुप्पी नहीं साध सकते।'

शिवसेना ने नाम लेकर पीएम मोदी पर किया सीधा हमला, देशभक्ति को व्यापार में बदलना बेशर्मी की पराकाष्ठा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भले ही शिवसेना के बागी विधायकों और सांसदों का एक समूह भाजपा के साथ गया हो, लेकिन शिवसेना नेतृत्व का भाजपा विरोधी स्वर अभी भी कम नहीं हुआ है। लाल किले से देश की आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की शिवसेना ने जमकर आलोचना की है। एक ओर बेरोजगार युवक राष्ट्रसेवक आदि को अग्निवीर कहकर बुलाते है और दूसरी ओर भर्ती के लिए आने पर उनका अपमान किया जाता है। शिवसेना नेतृत्व ने पार्टी के मुखपत्र सामना के जरिए अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि राष्ट्रवाद का ऐसा व्यापार बेशर्मी की पराकाष्ठा है। लोग भूखमरी पर वंदे मातरम के नारे लगाने को मजबूर। इन व्यवसायों को बंद किया जाना चाहिए। अवैध, असंवैधानिक कृत्यों पर शर्म आती है।

केंद्र सरकार की ओर से लाई गई अग्निवीर योजना और इससे जुड़े सवालों को लेकर शिवसेना ने आक्रामक रुख अख्तियार किया है। आजादी के अमृत महोत्सव का राजनीतिक उत्सव खत्म हो गया है तो सरकार को देश के बुनियादी मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत कुछ बोला। उनका भाषण राजनीतिक प्रचार था। उन्होंने लाल किले से 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी की। प्रधानमंत्री का भाषण समाप्त हो गया है और यहां महाराष्ट्र में 'अग्निवीर' योजना जोरों पर है। अग्निवीर भर्ती के लिए संभाजीनगर आए हजारों बेरोजगार युवा, उन्हें बिना भोजन और पानी के दिन-रात सड़कों पर रहना पड़ा। प्रधानमंत्री जी कह रहे थे कि 'अग्निवीर' हमारे देश, राष्ट्र सेवक आदि की नियति है।

पिछले कुछ वर्षों में शिवसेना बार-बार स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस के योगदान पर सवाल उठाती रही है। शिवसेना ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए एक बार फिर परोक्ष रूप से आरएसएस पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री से लेकर भाजपा की वर्तमान पीढ़ी तक कोई भी स्वतंत्रता आंदोलन में नहीं था। इस बात को खुद प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से स्वीकार किया था। वे कहते हैं कि मैं आजादी के बाद पैदा हुआ प्रधानमंत्री हूं। तो आप आजादी का इतिहास क्यों बदल रहे हैं? भारतीय जनता पार्टी को यह अधिकार किसने दिया?

भाजपा का नीतिश सरकार पर हमला, बिहार जंगलराज की तरफ लौट रहा

पटना । भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अपराधियों के दिल से कानून का डर खत्म हो चुका है। दरअसल, पटना साहिब में स्कूल से लौट रही कक्षा 9वीं की लड़की की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रसाद ने कहा कि पटना साहिब में स्कूल से लौट रही 9वीं कक्षा की लड़की को सरेआम गोली मार दी गई। ये सामान्य अपराधिक घटना नहीं है, अपराधियों के दिल से कानून का डर खत्म हो गया है। ये क्या हो रहा है नीतीश जी? ये संकेत देता है कि बिहार जंगलराज की तरफ लौट रहा है।

इसके पहले केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता आरके सिंह ने बिहार में जंगलराज के वापसी की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि मैं बिहार से हूं और जो हो रहा है, उससे मैं शर्मिंदा हूं। जंगलराज शुरू हो गया है। कानून मंत्री खुद फरार है, वहां भी अपहरण के मामले में। आपने कैसे आदमी को कानून मंत्री बना दिया जो अनंत सिंह का दाहिना हाथ है। हालांकि आरके सिंह ने कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह के मामले में यह टिप्पणी की थी।

अब 28 अगस्त की जगह 4 सितंबर को होगी महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की रैली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार को महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर घेरने की कोशिश कर रही है। पिछले दिनों भी महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हंगामा देखने को मिला। इस बार संसद के मानसून सत्र में भी कांग्रेस की ओर से महंगाई और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाया गया था। इन सब के बीच से दिल्ली के रामलीला मैदान में 28 अगस्त को कांग्रेस की ओर से महंगाई को लेकर हल्ला बोल रैली आयोजित होने वाली थी। लेकिन फिलहाल इसे टाल दिया गया है। अब यह रैली 4 सितंबर को होगी कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने इसको लेकर एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि कोविड-19 के मौजूदा हालात को देखते हुए कांग्रेस पार्टी द्वारा 28 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'महंगाई पर हल्ला बोल' रैली की तारीख आगे बढ़ाई जा रही है। अब यह रैली 4 सितंबर को होगी।

हालांकि, इससे पहले जयराम रमेश की ओर से ही इस रैली को 28 अगस्त को करने की बात कही गई थी। महंगाई को लेकर कांग्रेस नेता लगातार केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी जैसे नेता मोदी सरकार पर महंगाई और बेरोजगारी को लेकर निशाना साथ रहे हैं। जयराम रमेश ने आज इसके साथ ही यह भी कहा है कि इस रैली के माध्यम से असंवेदनशील मोदी सरकार को जोरदार संदेश दिया जाएगा। आपको बता दें कि कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी पिछले दो महीनों में दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार कोरोना वायरस के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यही कारण है कि कांग्रेस की ओर से महंगाई वाली रैली को फिलहाल टालने की बात कहीं गई है।

इससे पहले कांग्रेस की ओर से कहा गया कि इस रैली से पहले 17 अगस्त से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर महंगाई चौपाल आयोजित की जाएगी। उन्होंने एक बयान में कहा, कांग्रेस ने गत पांच अगस्त को मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन किया जिसके साथ लोगों ने खुद को जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हताशा में आकर इसे काला जादू बताने का प्रयास किया जो इस बात को दर्शाता है कि भाजपा सरकार आसमान छूती महंगाई और बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है। दही, छाछ, पैक की गई खाद्य वस्तुएं जैसे आवश्यक सामानों पर अत?यधिक करों के कारण महंगाई बढ़ रही है, जबकि सार्वजनिक सम्पत्तियों को मित्र पूंजीपतियों को हस्तांतरित करने और सेना में भर्ती की दिशाहीन अग्निपथ योजना जैसे कदमों से रोजगार की स्थिति बद से बदतर हो रही है।

कश्मीर में मतदाता सूची में बाहरियों को पंजीयन को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में कामकाज के सिलसिले में बाहर से आने वाले लोग भी मतदान कर सकेंगे। चुनाव आयोग के इस फैसले को लेकर मचे बवाल के बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने 22 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। एनसी के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा केंद्र शासित प्रदेश में क्षेत्र के बाहर के लोगों का मतदाता के तौर पर पंजीकरण की अनुमति देने के मुद्दे पर भविष्य की रणनीति तय की जाएगी। एनसी के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने कहा, 'सीईओ द्वारा जम्मू एवं कश्मीर में क्षेत्र के बाहर के लोगों को मतदाता का दर्जा देने के संबंध में की गई घोषणा के मुद्दे पर डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने 22 अगस्त को अपने आवास पर सर्वदलीय बैठक बुलाई है।' डार ने बताया कि अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों से बात की है और उन्हें बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। प्रवक्ता ने कहा, 'पार्टी अध्यक्ष ने भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के अलावा सभी मुख्यधारा के दलों से बात की है।' जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी हृदेश कुमार ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया था कि जम्मू एवं कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने के बाद पहली बार मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जा रहा है और केंद्र शासित प्रदेश में करीब 25 लाख नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की उम्मीद है।

भारत, थाईलैंड ने रक्षा, व्यापार संबंधों की समीक्षा की : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और थाईलैंड ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैंकॉक यात्रा के दौरान रक्षा और सुरक्षा, व्यापार, संपर्क, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। एक दिन पहले जयशंकर और थाईलैंड के उनके समकक्ष डोन प्रमुदविनई ने द्विपक्षीय संबंधों पर गहन बातचीत की थी। जयशंकर भारत-थाईलैंड संयुक्त आयोग (जेसीएम) की नौवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए 16 से 18 अगस्त तक थाईलैंड की यात्रा पर हैं। दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में थाईलैंड, भारत का रणनीतिक भागीदार है, पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के संबंध बेहद प्रगाढ़ हुए हैं। थाईलैंड दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) का एक प्रमुख सदस्य है, जिसके साथ पिछले एक दशक में भारत के संबंधों में एक बड़ा विस्तार हुआ है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों मंत्रियों ने आपसी हित के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की और राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, आर्थिक और वाणिज्यिक, संपर्क, सांस्कृतिक, पर्यटन तथा लोगों के आपसी संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की।'' जयशंकर और प्रमुदविनई की सह-अध्यक्षता वाले जेसीएम की बैठक बैंकॉक में हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और दोनों देशों के बीच मौजूद बहु-आयामी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।'जेसीएम से पहले मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई, जहां दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की। जयशंकर ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्तिगत बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कर्नाटक में कांग्रेस एकजुट हैं, चुनाव अकेले और सामूहिक नेतृत्व में लड़ेगी: शिवकुमार

राज्य में भाजपा ध्रुवीकरण का सहारा ले रही

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने राज्य में पार्टी के एकजुट होने का दावा कर गुरुवार को कहा कि अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव अकेले और सामूहिक नेतृत्व में लड़ा जाएगा तथा कांग्रेस 224 सदस्यीय विधानसभा में 135 से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की बहुत ज्यादा परवाह नहीं है, कि मुख्यमंत्री कौन होगा क्योंकि उनकी जिम्मेदारी कर्नाटक की भलाई के लिए कांग्रेस को जीत दिलाने की है। पिछले कुछ महीनों के दौरान कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच मतभेद की खबरें आई हैं। दोनों कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जाते हैं। राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है। प्रदेश में अगले साल के मध्य में विधानसभा चुनाव होने हैं।

शिवकुमार ने दावा किया कि कर्नाटक की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है और उसे पता है कि वह चुनाव नहीं जीत रही है, इसकारण ध्रुवीकरण का सहारा ले रही है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, जिस दिन से मैंने प्रदेश अध्यक्ष पद की कमान संभाली, उसी दिन से मैं विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाए हुए हूं। मैं यह पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार कोई योगदान नहीं दे रही है। लोग भी महसूस करते हैं कि कर्नाटक में कोई शासन नहीं है और यह 'देश में भ्रष्टाचार की राजधानी' बन गया है।÷

सिद्धरमैया की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से जुड़े सवाल पर शिवकुमार ने कहा, मुझे इस बात की ज्यादा परवाह नहीं है कि कौन मुख्यमंत्री बनता है, कौन नहीं। मुझे जिम्मा मिला है कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के लिये काम करना चाहिए ताकि राज्य का भला हो सके और लोगों को अच्छा शासन मिल सके। मुख्यमंत्री पद के चेहरे संबंधी सवाल पर शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ेगी। यह पार्टी का फैसला है, यही निर्देश मुझे दिया गया है। प्रेम और पूरी टीम भावना के साथ यह सुनिश्चित करूंगा कि हम एकजुट रहें। हमारा सामूहिक नेतृत्व होगा।''

टिकट वितरण से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि, कर्नाटक (कांग्रेस) में कोई गुटबाजी नहीं है। कर्नाटक (कांग्रेस) एकजुट है। सिर्फ चुनाव जीतने की संभावना (टिकट का) एकमात्र आधार होगा। हम टिकट देने में युवाओं और महिलाओं को सामने लाकर सामाजिक असंतुलन दूर करने वाले हैं। हम सभी साथ बैठकर टिकट वितरण को लेकर सर्वसम्मति से फैसला करने वाले हैं। कर्नाटक में पिछले कई महीनों से ध्रुवीकरण के मुद्दों के हावी रहने को लेकर उन्होंने भाजपा पर निशाना साधकर दावा किया कि अच्छा शासन देने और विकास में विफल रहने के कारण सत्तारूढ़ पार्टी ध्रुवीकरण का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा, भाजपा के लोग जानते हैं कि वे अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में विफल रहे हैं और उनकी सरकार अब नहीं आने वाली है। इसकारण वे सांप्रदायिक तनाव पैदा करने और ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं।''

बिहार में लागू होगा दिल्ली का शिक्षा मॉडल! अरविंद केजरीवाल बोले- भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में हाल में ही राजनीतिक परिवर्तन के बीच नए शिक्षा मंत्री ने बड़ा बयान दिया है। बिहार के नए शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया है कि शिक्षा में बड़े बदलाव की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि बिहार सरकार दिल्ली एवं अन्य राज्यों की शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए एक टीम भेजेगी। इसको लेकर अब अरविंद केजरीवाल ने प्रसन्नता जताई है। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि ऐसे ही एक दूसरे से हम सीखेंगे तो देश आगे बढ़ेगा। हमें भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाना है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक लगातार दिल्ली के शिक्षा मॉडल को बेहतरीन बताते रहे हैं। दूसरे राज्यों में जाकर वह दिल्ली के शिक्षा मॉडल की तारीफ ही करते हैं। यह भी दावा करते हैं कि जिन राज्यों में उनकी सरकार बनेगी, वहां दिल्ली की शिक्षा मॉडल को ही हम लागू करेंगे।

दिल्ली के शिक्षा मॉडल का अध्ययन करने के लिए एक टीम भेजने मेंचंद्रशेखर की दिलचस्पी संबंधी खबर पर केजरीवाल ने ट्वीट किया कि चंद्रशेखर जी और उनकी टीम का दिल्ली के सरकारी स्कूलों में स्वागत है। हमें उन्हें दिल्ली के सरकारी स्कूल दिखाने में खुशी होगी। ऐसे ही एक-दूसरे से सीखेंगे तो देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह भी लिखा कि हमें मिलकर देश के सभी बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देनी है, भारत को दुनिया का नम्बर-1 देश बनाना है। इससे पहले बिहार के शिक्षा मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल नेता चंद्रशेखर ने कहा था कि लोग राष्ट्रीय राजधानी में अरविंद केजरीवाल के शिक्षा मॉडल की तारीफ कर रहे हैं। हम अपने अधिकारियों को दिल्ली समेत कुछ खास राज्यों में उनकी सफल शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने के लिए भेजेंगे।

बिहार के नवनियुक्त शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने बुधवार को कहा था कि राज्य में स्कूल शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव की जरूरत है और इसके लिए उनकी सरकार दिल्ली एवं अन्य राज्यों की शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए एक टीम भेजेगी। राजद नेता चंद्रशेखर ने कहा कि लोग राष्ट्रीय राजधानी में अरविंद केजरीवाल सरकार के शिक्षा मॉडल की प्रशंसा कर रहे हैं। हम अपने अधिकारियों को दिल्ली सहित कुछ राज्यों में सफल स्कूली शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने के लिए भेजेंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल-कॉलेजों में सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा। चंद्रशेखर ने कहा कि हमारी महागठबंधन सरकार राज्य के छात्रों को बेहतरीन शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए –

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड – ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड – ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज – केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स – नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस – आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी – सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत : अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

गोटबाया के करीबी का दावा- 24 अगस्त को श्रीलंका वापस लौटेंगे पूर्व राष्ट्रपति

कोलंबो। श्रीलंका में भीषण आर्थिक व राजनीतिक संकट के लिए जिम्मेदार ठहराए गए पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे 24 अगस्त को श्रीलंका लौट सकते हैं। यह दावा गोटबाया के करीबी व रूस में श्रीलंका के राजदूत रहे उदयंगा वीरातुंगा ने किया है। अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को पिछले माह उस समय देश छोड़कर भागना पड़ा था, जब आंदोलित श्रीलंकाई नागरिकों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था। सेना के एक विमान से भाग कर गोटबाया पहले मालदीव गए और फिर

वहां से सिंगापुर चले गए थे। सिंगापुर पहुंच कर ही गोटबाया ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। सिंगापुर में प्रवेश करते ही उन्हें 14 जुलाई को 14 दिन का अल्पकालिक यात्रा पास प्रदान किया गया था। बीते 27 जुलाई को उनके यात्रा पास की अवधि 14 दिन और बढ़ाई गयी थी। इसके बाद से उनके जल्द श्रीलंका लौटने की बात कही जा रही थी, किन्तु सिंगापुर में पुन: यात्रा पास की अवधि समाप्त होते ही गोटबाया थाईलैंड पहुंच गए थे। गोटबाया को थाईलैंड में 90 दिन प्रवास की अनुमति मिली थी। पिछले महीने श्रीलंका के मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भी कहा था कि श्रीलंका में अभी ऐसे हालात नहीं है कि गोटबाया वापस लौटें। ऐसे में माना जा रहा था कि गोटबाया के लौटने में विलंब हो सकता है। अब गोटबाया के करीबी और रूस में श्रीलंका के पूर्व राजदूत उदयंगा वीरातुंगा ने कहा है कि वह 24 अगस्त को श्रीलंका लौटेंगे। वीरातुंगा के इस दावे के बाद श्रीलंका में एक बार फिर गोटबाया की वापसी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गयी हैं।

अमेरिका के डलास में दो हजार बच्चों ने गीता पाठ करके दिया भारतीय संस्कृति का सन्देश

वाशिंगटन। भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया को आकर्षित कर रही है। यह बात अमेरिका के डलास में एक बार फिर साबित हुई है। दरअसल डलास के एक स्टेडियम में एक साथ दो हजार बच्चों ने गीता पाठ कर पूरे पश्चिमी जगत को भारतीय संस्कृति के प्रति आकृष्ट

होने का संदेश दिया है। हाल ही में तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में एक बड़ा इंडोर स्टेडियम नजर आ रहा है। यह वीडियो अमेरिकी शहर डलास का है। वहां एक इंडोर स्टेडियम में मौजूद दो हजार बच्चे एक साथ सस्वर भगवत् गीता का पाठ कर रहे हैं। न सिर्फ भारतीय मूल के लोग, बल्कि अमेरिकी भी भारी संख्या में वहां मौजूद हैं। बताया गया कि ये बच्चे पिछले दो वर्ष से भगवत् गीता का अभ्यास कर रहे थे। इसी अभ्यास की परिणति सस्वर गीता पाठ में हुई है। अब इस आयोजन की चतुर्दिक सराहना हो रही है।

फ्लोरिडा की अदालत ने 16 साल की लड़की को गर्भपात से रोका, नियम पर फिर छिड़ी बहस

फ्लोरिडा । अमेरिका में गर्भपात नियम को लेकर पहले से ही बहस छिड़ी हुई है। इस नियम को लेकर विरोध-प्रदर्शन भी हुए। अब एक खबर फ्लोरिडा से सामने आई है, यहां एक अदालत ने 16 वर्षीय लड़की की गर्भपात करने की अपील को अस्वीकार कर दिया। फ्लोरिडा कोर्ट ने कहा कि 16 वर्षीय लड़की गर्भपात कराने के लिए 'पर्याप्त रूप से परिपक्व' नहीं है। कोर्ट के इस फैसले के बाद कुछ सांसदों ने नाराजगी जाहिर की है।अदालत में अपील करने वाली लड़की की पहचान नहीं हो पाई है। उसने निचली अदालत को बताया कि वह बच्चा पैदा करने के लिए तैयार नहीं है। वह अभी भी स्कूल में है और उसके पास कोई नौकरी भी नहीं है। बच्चे का पिता भी उसकी कोई मदद करने की स्थिति में नहीं है। इसलिए वह गर्भपात करना चाहती है। फ्लोरिडा में गर्भपात की मांग करने वाले नाबालिगों को अपने माता-पिता में से कम से कम एक की सहमति की आवश्यकता होती है। लेकिन लड़की के माता-पिता इस शहर में नहीं है वह एक रिश्तेदार के साथ रहती है। लड़की वह उस नियम से छूट की मांग कर रही थी।

चीन के 22 जेटों, पांच युद्धपोतों ने की ताइवानी सीमा में घुसपैठ, बीजिंग ने बढ़ाई हरकतें

ताईपे । अमेरिकी सांसदों का दल ताइपे पहुंचने के बाद से चीनी सेना ने ताइवान को धमकाने के लिए सैन्याभ्यास को और तेज कर दी हैं। इस युद्धाभ्यास के दौरान चीन के 22 लड़ाकू विमान और पांच युद्धपोत ताइवानी सीमा का उल्लंघन कर चुके हैं।

ताइवान टाइम्स ने राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) के हवाले से कहा, पीएलए के इन लड़ाकू विमानों और पोतों ने चीन और ताइवान के बीच की मध्य रेखा को पार किया। इससे पहले अमेरिकी निचले सदन प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के दौरान भी चीन ने इस इलाके में 100 से ज्यादा जेटों और 22 युद्धपोतों के साथ लगभग सप्ताह भर सैन्याभ्यास किया था। चीनी राष्ट्रपति, विदेश मंत्रालय और पीएलए अमेरिका को ऐसी यात्राओं के खिलाफ

लगातार धमकाते रहे हैं। ताइवानी मंत्रालय के मुताबिक, इन विमानों में चार सुखोई एसयू-30 लड़ाकू विमान, तीन शेनयांग जे-11 जेट लड़ाकू विमान, दो शेनयांग जे-16 जेट लड़ाकू विमान और एक शानक्सी वाई-8 परिवहन विमान शामिल थे।

ताइवान ने भी शुरू किया युद्धाभ्यास-ताइवान ने भी हमले की दशा में जवाबी कार्रवाई के लिए युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। ताइवानी सेनाओं ने दक्षिणपूर्वी काउंटी 'हुलिएन' में सैन्याभ्यास किया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सन ली-फांग ने बताया, उन्होंने चीनी पोतों और विमानों की निगरानी के लिए युद्धक निगरानी विमान और युद्धपोत मध्य रेखा की तरफ रवाना किए। ताइवानी सेना ने चीन के पांच विमानों को ताइवान खाड़ी की मध्यरेखा को पार करते हुए पकड़ा। चीन की हर हरकत पर नजर रखने के लिए हवाई गश्ती विमान और जहाज लगातार तैनात हैं। इसके साथ ही साथ तट आधारित मिसाइल सिस्टम की भी तैनाती की गई है।

चीन के पश्चिमी किंघाई प्रांत में बाढ़ से 16 की मौत, 36 लोग लापता

किंघाई । चीन के पश्चिमी किंघाई प्रांत में अचानक आई बाढ़ से 16 लोगों की मौत हो गई और 36 लोग लापता हैं। चीन की सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने बताया कि तेज बारिश से भूस्खलन हुआ जिससे नदी का रास्ता बदल गया। समाचार एजेंसी की खबर में स्थानीय आपदा प्रबंधन विभाग के हवाले से बताया गया है कि दातोंग हुई और तू स्वायत्तशासी कस्बे मे अचानक बाढ़ आ गई। विभाग ने बताया कि दोनों कस्बों क प्रशासन संभालने वाले शिनिंग शहर से उसे आपदा की सूचन मिली। इसके बाद नियंत्रण एवं राहत कार्य के लिए तत्काल कदम दठाए गए।

थाईलैंड दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर, हिंदू मंदिर में की पूजा-अर्चना

लंदन। विदेश मंत्री एस जयशंकर थाईलैंड के दौरे पर हैं। गुरुवार को यहां स्थित एक हिंदू मंदिर में पूजा अर्चना की। जयशंकर भारत-थाईलैंड संयुक्त आयोग की नौवीं बैठक में भाग लेने के लिए थाईलैंड पहुंचे थे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट किया, 'बैंकॉक के देवस्थान में आज प्रार्थना की। फ्रा महाराजागुरु विधि का आशीर्वाद लिया। यह हमारी साझी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को रेखांकित करता है।' देवस्थान या 'थाई रॉयल कोर्ट' का 'रॉयल ब्राह्मण ऑफिस' बैंकॉक के फ्रा नाखोन जिले में वाट सुथत के पास स्थित है। यह मंदिर थाईलैंड में हिंदू धर्म का आधिकारिक केंद्र है। महाराजागुरु विधि थाई ब्राह्मण समुदाय के प्रमुख हैं।

मंदिर 'कोर्ट ब्राह्मण' का निवास है, जो तमिलनाडु के रामेश्वरम के पुजारियों के पूर्वजों के वंशज हैं। ये ब्राह्मण थाईलैंड शाही परिवार के लिए हर साल कई महत्वपूर्ण शाही और धार्मिक अनुष्ठान तथा समारोह करते हैं।

रुश्दी की तरह मुझ पर भी हो सकते हैं हमले : तसलीमा नसरीन

नई दिल्ली। भारतीय मूल के लेखक सलामन रुश्दी पर अमेरिका में हमले के बाद बांग्लादेश मूल की लेखिका तसलीमा नसरीन ने कहा है कि मेरे ऊपर भी हमले हो सकते हैं। तसलीमा नसरीन ने दावा किया कि एक पाकिस्तानी धार्मिक नेता अल्लामा खादिम हुसैन रिजवी उन्हें मारना चाहता था। तसलीमा ने कहा कि रिजवी ने पाकिस्तानी चरमपंथियों को उन्हें मारने के लिए प्रेरित किया। बांग्लादेश में पैदा हुई लेखिका तसलीमा नसरीन के खिलाफ कथित इस्लाम विरोधी टिप्पणियों के लिए अतीत में कई फतवे (मौत की सजा) जारी हो चुके हैं।

तसलीमा नसरीन ने ट्विटर पर धर्मगुरु का एक वीडियो भी शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा, यह धर्मगुरु मुझे मारना चाहता था और उसने इस्लाम के नाम पर लाखों पाकिस्तानी चरमपंथियों को मुझे मारने के लिए प्रेरित किया। यह दावा कर रहा है कि इसने मेरी किताब पढ़ी है, लेकिन मैं निश्चित रूप से कह सकती हूं कि इसने ऐसा नही किया। यह झूठ बोल रहा था। शुक्रवार को लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से हमले के बाद तसलीमा ने कहा कि उनकी भी हत्या हो सकती है। गौरतलब है कि मुंबई में जन्मे विवादास्पद लेखक रुश्दी को 'द सैटेनिक वर्सेज' की रचना करने के बाद कई वर्षों तक इस्लामी चरमपंथियों से जान से मारने की धमकियों का सामना करना पड़ा उन्हें शुक्रवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क में 24 वर्षीय एक युवक ने एक कार्यक्रम में चाकू मार दिया। रुश्दी ने जिस खतरे का सामना किया, उसी तरह निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन को भी धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्विक स्तर पर फिर बढ़ रहा कोरोना, एक माह में 35 प्रतिशत बढ़ी मौतों की संख्या

जेनेवा। दो साल तक भीषण जानलेवा संकट बना रहा कोरोना एक बार फिर बढ़ रहा है। पिछले एक माह में कोरोना महामारी से मौतों की संख्या में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख डॉ. टेड्रोस घेब्रेयसस ने इस बाबत चेताया है।

पूरी दुनिया पर कोरोना का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयस ने कहा है कि हमें बीमारी खत्म होने की बात नहीं मान लेनी चाहिए। इसके विपरीत हर किसी को स्वयं और दूसरों के बचाव के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हम सब कोरोना वायरस व महामारी से थक और ऊब गए हैं किन्तु यह वायरस अभी नहीं थका है। अब भी कोरोना का ओमिक्रॉन प्रतिरूप

सर्वाधिक सक्रिय प्रतिरूप बना हुआ है।

अपने संदेश में डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा है कि पिछले एक माह में 15 हजार लोगों ने कोविड से जान गंवाई है। संक्रमण रोकने और लोगों की जान बचाने के सभी संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में मौत बर्दाश्त के बाहर है। अब कोरोना को लेकर हम असहाय नहीं हैं। जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति टीका लगवाए और जरूरत पड़ने पर बूस्टर टीका लगवाएं। मास्क पहनें

पूरी दुनिया पर कोरोना का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयस ने कहा है कि हमें बीमारी खत्म होने की बात नहीं मान लेनी चाहिए।

और सुरक्षित शारीरिक दूरी बनाए रखें। उन्होंने निराश होकर यह भी कहा कि अस्पतालों की बढ़ती संख्या के बावजूद हम टीकों की असमान पहुंच के साथ नहीं रह सकते हैं।

पृथ्वी पर क्षुद्रग्रह लेकर आया था पानी, जापानी वैज्ञानिकों का खुलासा

टोक्यो। । जापानी वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि पृथ्वी पर पानी क्षुद्रग्रह लेकर आया था। उन्होंने 'रीयुगू' नामक क्षुद्रग्रह के धूल का अध्ययन करने के बाद इसका खुलासा किया है। हाल ही में 'जर्नल नेचर एस्ट्रोनॉमी' में प्रकाशित अध्ययन में ब्रह्मांड, सौरमंडल, ग्रह और धरती के बनने की कहानी बताई गई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, क्षुद्रग्रह 'रीयुगू' 800 मीटर व्यास का पत्थर है।

इस पत्थर से जो नमूने धरती पर लाए गए हैं, वह बेहद गहरे रंग के हैं। इनके बीच एक हरे रंग का कार्बनिक पदार्थ मिला है। ये पदार्थ काफी छिद्रों से भरा हुआ है। इसमें मौजूद छिद्रों से पता चलता है कि इसके अंदर से पानी या गैस का बहाव होता रहा होगा। इसका अर्थ यह हुआ कि 450 करोड़ साल पहले 'रीयुगू' पर जीवन के संकेत थे। आज भी ये संकेत संभव हैं।

ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने भी मिट्टी के इन नमूनों का अध्ययन किया है। उन्होंने बताया कि प्राप्त नमूनों की मिट्टी इतनी काली है कि ये सूर्य की रोशनी का सिर्फ 2 फीसदी हिस्सा ही परावर्तित करती है। यह कार्बन का एक विशिष्ट रूप है। रीयुगू, धरती और मंगल के बीच की कक्षा में धरती के चारों तरफ चक्कर लगाता है।

अध्ययन के लिए भेजा गया हायाबूसा-2

जापान ने अंतरिक्ष मिशन के तहत इस क्षुद्रग्रह के अध्ययन के लिए स्पेसक्राफ्ट हायाबूसा-2 भेजा था। यह साल 2020 में एस्ट्रॉयड रीयुगू से मिट्टी के नमूने लेकर लौटा था। पिछले वर्ष भी यह भी दावा किया गया था कि रीयुगू पर बेहद प्राचीन मौलिक तत्व मिले हैं।

उत्तरी अल्जीरिया में जंगल में फैली आग, झुलसने से 26 लोगों की मौत

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के जंगलों में आग फैलने से करीब 26 लोगों की झुलसने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अगस्त माह की शुरुआत के बाद से ही अल्जीरिया में अब तक 106 बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। इसकी वजह से 2,500 हेक्टेयर से अधिक वनक्षेत्र नष्ट हो गया है।देश के गृह मंत्री कामेल बेल्डजौद ने कहा कि उत्तरी अल्जीरिया के 14 जिलों के जंगल में लगी आग में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए। बेल्डजौद ने सरकारी टेलीविजन को बताया कि ट्यूनीशिया की सीमा के पास एल तारफ में आग लगने से 24 लोगों की मौत हो गई, इसके अलावा इससे पहले सेतिफ में दो अन्य लोग की मौत हो गई थी।

सेतिफ में नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि शहर में दो महिलाओं 58 वर्षीय मां और उनकी 31 वर्षीय बेटी की मारी गई थीं। इस दौरान ट्यूनीशिया के साथ अल्जीरिया की सीमा के पास पूर्व में सूक अहरास में लोगों को अपने घरों से भागते देखा गया, क्योंकि अग्निशमन हेलीकॉप्टरों को तैनात करने से पहले आग फैल गई थी। अधिकारियों ने कहा कि पहले सूचना मिली थी कि सूक अहरास में चार लोग जल गए और 41 अन्य को सांस लेने में कठिनाई हुई। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि 350 निवासियों को आग से बचाकर निकाला गया था। अन्य क्षेत्रों में लगी आग में घायल हुए लोगों की संख्या के बारे में कोई अद्यतन जानकारी नहीं मिली है। आग की वजह से देश के सैन्यबल जेंडरमेरी ने कई सड़कों को बंद कर दिया है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी

ने कहा, 14 विला (प्रशासनिक परिषदों) में उनचालीस जगहों पर आग लगी हुई है। वहीं एल तारफ में 16 जगहों पर आग लगने की वजह से कुछ भी नहीं बचा है, यह सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका है। सूक अहरास सहित तीन प्रशासनिक परिषदों में आग पर पानी गिराने के लिए हेलीकॉप्टरों ने बांबी बाल्टी का इस्तेमाल किया है। अगस्त की शुरुआत के बाद से ही अल्जीरिया में आग लगने की 106 घटनाएं हो चुकी हैं। इनकी वजह से 2,500 हेक्टेयर से अधिक जंगल नष्ट हो गए हैं। बेल्डजौद ने कहा कि कुछ जगह पर खुद लोगों ने आग लगाई थी। हुई मौतों के बाद इस गर्मी में जंगल की आग में मारे गए लोगों की कुल संख्या अब 30 हो गई है। अल्जीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा देश है, लेकिन इसके पास केवल 4.1 मिलियन हेक्टेयर (10.1 मिलियन एकड़) जंगल है। हर साल इस देश का उत्तरी इलाका जंगल की आग से प्रभावित होता है। यह समस्या जलवायु परिवर्तन की वजह से और भी गंभीर हो गई है। पिछले साल भी उत्तरी अल्जीरिया के जंगल में आग लगने से कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई थी, जिससे 100,000 हेक्टेयर से अधिक वनक्षेत्र नष्ट हो गया था।

काबुल की मस्जिद में भीषण धमाके में 30 से अधिक की मौत, 40 से अधिक घायल

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के एक साल पूरा होने के कुछ ही घंटे के बाद राजधानी काबुल के उत्तरी भाग के पीडी 17 इलाके में स्थित एक मस्जिद में भीषण बम विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 40 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। अभी तक इस विस्फोट को लेकर सरकार ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है और न किसी आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है।

जानकारी के मुताबिक उत्तरी काबुल की मस्जिद में धमाका तब हुआ जब लोग शाम कि इबादत के लिए यहां एकत्रित हुए थे। काबुल पुलिस के प्रवक्ता बताया कि मस्जिद में भीषण धमाके में बड़ी

संख्या में लोग मारे गए है, अभी तक इस घटना में मारे गए लोगों और घायलों की सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। धमाका बहुत ही जोरदार था। मस्जिद के आसपास के घरों के शीशे भी धमाके की वजह से टूट गए। तालिबान के खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। मरने वालों में मस्जिद का इमाम भी शामिल हैं।

काबुल के इमरजेंसी अस्पताल में घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों में एक सात साल का बच्चा भी है।

अस्पताल की तरफ से शुरूआती जानकारी में 27 लोगों के घायल होने की जानकारी दी गई थी। घटना के तुरंत बाद मौके पर सुरक्षाकर्मी और एंबुलेंस पहुंच गई। बता दें कि यह हमला तब हुआ है जब तालिबान अपना विजय सप्ताह बना रहा है। 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था।

लंदन के रेलवे स्टेशन पर भीषण आग, रेल सेवा ठप

लंदन। लंदन के साउथ वार्क रेलवे स्टेशन पर भीषण आग लग गयी है। इस कारण लंदन व आसपास के क्षेत्र की रेल सेवा ठप हो गयी है। फायर ब्रिगेड की दस गाड़ियां आग बुझाने में लगानी पड़ीं लेकिन घंटों प्रयास के बाद भी आग पूरी तरह नहीं बुझ सकी। लंदन के मशहूर लंदन ब्रिज के पास स्थित साउथ वार्क रेलवे स्टेशन में स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह साढ़े नौ बजे के आसपास भीषण आग लग गयी। बताया गया कि आग यूनियन स्ट्रीट पर रेलवे आर्क में लगी है। तत्काल लंदन फायर ब्रिगेड के अधिकारियों को इसकी जानकारी

दी गयी। आनन-फानन में मौके पर फायर ब्रिगेड की दस गाड़ियां पहुंचीं। अग्निशमन विभाग के 70 कर्मचारी मौके पर आग बुझाने के लिए पहुंचे। घंटों प्रयास के बाद भी आग पूरी तरह नहीं बुझ सकी। लंदन ब्रिज के पास से आसमान में काले धुएं की लकीर उठती साफ दिखती रही। आग में तात्कालिक रूप से किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। इस कारण लंदन व आसपास के क्षेत्र की रेल सेवाएं पूरी तरह ठप हो गयीं। लंदन फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने कहा कि जिस साउथ वार्क रेलवे स्टेशन पर आग लगी है, वह लंदन का एक अतिव्यस्त स्टेशन है। आग के कारण यात्रियों को भी अत्यधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। इस बाबत जांच की जा रही है।

पहले वनडे में टीम इंडिया को मिली बड़ी जीत

जिंबाब्वे को 10 विकेट से हराया, प्लेयर ऑफ द मैच दीपक चाहर

हरारे (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने यहां मेजबान जिम्बाब्वे को पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में दस विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए मेजबान जिम्बाब्वे को 40.3 ओवर में 189 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 30.5 ओवर में 192 रन बनाकर अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से शुभमन गिल 82 और शिखर धवन 82 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले रेजिस चकाब्वा और रिचर्ड नगारवा की अच्छी बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने यहां भारत को पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत के लिए 190 रनों का लक्ष्य दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेजबान टीम जिम्बाब्वे 40.3 ओवर में ही 189 रन बनाकर आउट हो गयी। कप्तान चकाब्वा ने 35 और रिचर्ड नगारवा 34 ने सबसे ज्यादा रन बनाए। वहीं भारत की ओर से दीपक चाहर, प्रसिद्ध कृष्णा और अक्षर पटेल ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज को एक विकेट मिला। ऑलराउंडर दीपक चाहर को वापसी पर शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का इनाम मिला।

पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 10.1 ओवर में ही 31 रन पर चार विकेट खो दिए। इस दौरान, इनोसेंट काइआ 4, तदिवानाशे मारुमानी 8, सीन विलियम्स 5, वेसले मधेवेरे 1 और सिंकदर रजा 12 जल्द ही पवेलियन लौट गए। जिम्बाब्वे की आधी टीम केवल 66 रनों पर ही आउट हो गयी।

इसके बाद कृष्णा की गेंद पर रयान बर्ल 11 रन बनाकर आउट हुए। चकाब्वा ने पारी संभालने का अपनी ओर से प्रयास किया पर वह सफल नहीं हो पाये। चकाब्वा 26.3 ओवर में अक्षर की गेंद पर चकाब्वा बोल्ड हो गए। इसके बाद, अक्षर ने ल्यूक जोंगवे को 13 रनों पर पेवेलियन भेज दिया। ब्रैड इवांस और रिचर्ड नगारवा ने अंत में अच्छी साझेदारी कर किया 65 गेंदों में 70 रन बनाये। कृष्णा ने रिचर्ड नगारवा 34 को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। वहीं अगले ओवर में अक्षर ने विक्टर न्याउची को 8 रनों पर आउट कर मेजबान टीम की पारी समेट दी।

राफेल नडाल की छह सप्ताह बाद कोर्ट पर वापसी, मिली हार

मैसन (अमरीका) (एजेंसी)।

राफेल नडाल की छह सप्ताह बाद कोर्ट पर वापसी यादगार नहीं रही और उन्हें यहां वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बोर्ना कोरिच से तीन सेट तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। कोरिच ने इस स्पेनिश स्टार को 7-6 (9), 4-6, 6-3 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

पुरुषों में रिकॉर्ड 22 ग्रैंडस्लैम चैंपियनशिप जीतने वाले नडाल छह जुलाई के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे थे। वह यूएस ओपन से पहले तैयारियों के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे थे। यहां दूसरी वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी 36 वर्षीय नडाल हालांकि पूरी तरह से फिट नजर आए। यह मैच दो घंटे और 51 मिनट तक चला और इस बीच नडाल को फिटनेस से संबंधित कोई परेशानी नहीं हुई।

इस बीच तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता एंडी मर्रे को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें ब्रिटेन के ही कैमरन नोरी ने 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। इसके अलावा टेलर फ्रिट्ज ने विंबलडन फाइनलिस्ट निक किर्गियोस को 6-3, 6-2 से हराया जबकि 19 वर्षीय बेन शेल्टन ने पांचवीं रैंकिंग के खिलाड़ी कैस्पर रूड को उलटफेर का शिकार बनाया।

विजेंदर ने सुले को हराकर 'द जंगल रंबल' मुकाबला जीता

रायपुर (एजेंसी)।

भारत के स्टार पेशेवर मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने यहां हुए मुक्केबाजी मुकाबले 'द जंगल रंबल' में घाना के मुक्केबाज एलियासु सुले को दूसरे ही दौर में हरा दिया। इस के साथ ही विजेंदर ने 19 महीने बाद रिंग में जीत के साथ वापसी की है। घाना के मुक्केबाज सुले के पास विजेंदर के करारे पंच का कोई जवाब नहीं था। अब तक अपने पेशेवर करियर में विजेंदर ने 15 मुकाबले खेले हैं जिसमें से उन्हें एक ही बार रुस के अर्तीश लोप्सन से हार का सामना करना पड़ा है। बाकि के सभी मुकाबले इस भारतीय मुक्केबाज ने आसानी से जीते हैं।

विजेंदर ने पेशेवर मुक्केबाजी में उतरने से पहले ओलंपिक और विश्व चैम्पयनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। वहीं राष्ट्रमण्डल खेलों में उनके नाम एक रजत और दो कांस्य पदक हैं। एशियाई खेलों की बात करें तो उसमें भी उन्होंने एक कांस्य और एक स्वर्ण जीता है।

एकदिवसीय क्रिकेट को खतरे जैसी बातें आधारहीन हैं : रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों का जहां मानना है कि टी20 लीग के बढ़ते प्रचलन से टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट को खतरा पैदा हो गया है और ऐसे में समय के साथ ही एकदिवयीय क्रिकेट समाप्त हो जाएगा। इन पूर्व खिलाड़ियों का तर्क है कि टी20 लीग के व्यस्त कार्यक्रम से खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कर्तव्य और लीग क्रिकेट के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो रहा है। इसी के कारण अब खिलाड़ी एकदिवसीय से संन्यास लेने लगे हैं। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स के साथ भी ऐसा ही हुआ, उन्होंने एकदिवसीय करियर से हाल ही में संन्यास लेते हुए कहा था कि वह तीनो प्रारुपों में एकसाथ नहीं खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने भी टी20 लीग के लिए केन्द्रीय अनुबंध तक छोड़ दिया है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा इससे सहमत नहीं हैं। रोहित ने कहा कि यह बेकार की बहस है। टी20 लीग बढ़ने से यह नहीं कहा जा सकता कि एकदिवसीय समाप्त हो जाएगा। दोनो ही अपनी-अपनी जगह पर हैं।

एक कार्यक्रम के दौरान रोहित ने कहा कि उन्होंने एकदिवसीय मैचों से ही अपना नाम बनाया और इस प्रारूप के लिए खतरे के बारे में आ रही सभी बातें आधारहीन हैं। पहले लोग पहले टेस्ट क्रिकेट पर खतरे की बातें कर रहे थे पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब एकदिवसीय को लेकर बातें हो रही हैं।

उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए क्रिकेट अहम है फिर चाहे किसी भी प्रारुप में हो। मैं यह कभी नहीं कहूंगा कि एकदिवसीय खत्म हो रहा है या टी20 खत्म हो रहा है या टेस्ट खत्म होने वाले हैं। काश एक और प्रारूप भी होता, क्योंकि मेरे लिए क्रिकेट खेलना सबसे अहम है। बचपन से ही हमने भारत के लिए खेल खेलने का सपना देखा था और जब भी हम एकदिवसीय मैच खेलते हैं तो स्टेडियम खचाखच भर जाते हैं, उत्साह बना रहता है। यह व्यक्तिगत पसंद है कि किस प्रारूप में खेलना है या नहीं, लेकिन मेरे लिए तीनों प्रारूप महत्वपूर्ण हैं।

रोहित के लिए देश के लिए खेलना सबसे ज्यादा अहम है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि लोग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लीग खेलने के बारे में क्या सोच रहे हैं। टी10 भी अब आई है। ऐसे में आने वाले वर्षों में हमें पता चलेगा कि खिलाड़ी क्या पसंद करते हैं हालांकि अभी तक भारतीय क्रिकेट की स्थिति पहले की तरह ही बनी हुई है। हम आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं। लोगों को अनुभव मिल रहा है और हमारा उद्देश्य बेंच स्ट्रेंथ बनाना है। इसलिए लगातार युवाओं को अवसर दिये जा रहे हैं।

अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, जीते सात पदक

सोफिया (बुल्गारिया)। भारतीय फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम ने विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक रजत और छह कांस्य सहित सात पदक हासिल किए। भारत 112 अंकों के साथ फ्रीस्टाइल टीम रैंकिंग में तीसरे स्थान पर रहा, जबकि ईरान (159) और अमेरिका (132) ने पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह जूनियर चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2021 में भारत 101 पॉइंट के साथ पांचवें स्थान पर रहा था। भारत का एकलौता रजत पदक महेंद्र गायकवाड ने जीता। महेंद्र शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंचे, जहां ईरान के आमिरेज़ा फ़रदीन मासूमी ने उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 13-2 से मात दी। जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट गायकवाड ने क्वार्टरफाइनल में तुर्की के आदिल मिसिरसी को 6-4 से मात दी थी, जबकि सेमीफाइनल में उन्होंने उज़्बेकिस्तान के नामोज़ अब्दुराशिदोव को 6-0 से हराया था। इसके अलावा मोहित कुमार (61 किग्रा) और सागर जगलान (74 किग्रा) ने भी बुधवार को कांस्य पदक जीते।

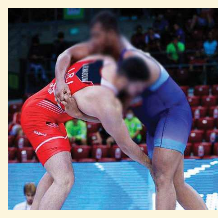

धनश्री के इंस्टाग्राम से 'चहल' सरनेम हटाने से प्रशंसक हैरान

नई दिल्ली । टीम इंडिया के स्पिन युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती है। अब धनश्री ने इंस्टाग्राम पर अपना सरनेम तक बदल दिया है। इसके साथ ही चहल ने अपनी इंस्टा स्टोरी में कुछ ऐसा लिख दिया है, जिससे प्रशंसक अलग-अलग अंदाजे लगा रहे हैं। धनश्री के सरनेम बदलने के बाद चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में एक चाय या कॉफी का कप रखा नजर आ रहा है। स्पिनर ने इस तस्वीर के साथ कोई खास बात नहीं लिखी। ऐसे में प्रशंसको को हैरानी हुई है। कुछ प्रशंसक अंदाजा लगा रहे हैं कि चहल और धनश्री माता-पिता बनने वाले हैं , वहीं कुछ प्रशंसकों को लगता है कि कपल के बीच में सबकुछ ठीक नहीं है, क्योंकि धनश्री ने चहल सरनेम हटा दिया है। चहल और धनश्री दोनों ही सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। धनश्री एक पेशेवर डांसर हैं और इंस्टाग्राम पर उनके पांच मिलियन से अधिक फॉलोअर्स है। वहीं, चहल अपने मजाकिया और मजेदार कंटेंट इंस्टाग्राम पर प्रशंसकों के लिए साझा करते रहते हैं।

वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

ब्रिजटाउन (एजेंसी)।

शमर ब्रूक्स के अर्धशतक से वेस्टइंडीज ने पहले ही दिन-रात्रि के एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में ब्रूक्स और कप्तान कप्तान निकोलस पूरण 28 के बीच 75 रनों की अहम साझेदारी हुई। इस मैच में न्यूजीलैंड टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.2 ओवर में 190 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने 39 ओवर में ही पांच विकेट के नुकसान पर 193 रन बनाकर हासिल कर लिया। जेसन होल्डर 13 और जर्मेन ब्लैकवुड 12 रनों पर नाबाद रहे। ब्रूक्स ने 58 गेंदों पर ही एकदिवसीय में अपना चौथा अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ब्रूक्स ने अपनी इस पारी में 91 गेंदों का नौ चौके और एक छक्का लगाया। इससे पहले अकील हुसैन और अलजारी जोसेफ ने तीन-तीन विकेट लेकर किसी भी कीवी बल्लेबाज को टिकने नहीं दिया। केवल कप्तान केन विलियमसन ही 34 रन बना पाये। अन्य सभी बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटते गये। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

हॉकी इंडिया के चुनाव नौ अक्टूबर से पहले कराने पर सहमत हुए एफआईएच और सीओए

विश्वकप मेजबानी का आया खतरा टला

लुसाने (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और प्रशासकों की समिति (सीओए) ने कहा है कि हॉकी इंडिया के चुनाव नौ अक्टूबर से पहले होंगे। इसके साथ ही दोनो ने संशोधित संविधान का अंतिम मसौदा अगले 10 दिन में जमा करने पर भी सहमति व्यक्त की है। इससे भारत में होने वाले विश्व कप की मेजबानी पर छाया संकट दूर हो गया है।

एफआईएच के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सीओए, खेल मंत्रालय और विश्व कप की मेजबानी करने जा रही ओडिशा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से उसकी मुलाकात सफल रही है। एफआईएच दल में कार्यवाहक अध्यक्ष सैफ अहमद के अलावा सीईओ थियरी वील भी शामिल थे। एफआईएच ने कहा, चुनावों को लेकर बैठक में एफआईएच द्वारा रखे गए दो अहम मामलों पर सीओए ने अपना जवाब दिया है। इसमें हॉकी इंडिया के संशोधित संविधान का पहला मसौदा एफआईएच को सौंपा गया है। इसका अंतिम मसौदा अगले 10 दिन में जमा होगा। इसके साथ ही हॉकी इंडिया के चुनाव नौ अक्टूबर 2022 से पहले कराने का फैसला आपसी सहमति से हुआ।

वहीं हॉकी इंडिया के मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर अहमद ने कहा, हम अदालत को तीसरा पक्ष नहीं मानते और हम न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। हमारा मानना है कि अदालत का फैसला कोई हस्तक्षेप नहीं है। वहीं सीओए सदस्य अनिल दवे ने कहा,एफआईएच दल से बातचीत बेहद सकारात्मक और उत्साहवर्धक रही। इसमें खेल भावना और खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखकर ही भारत में हॉकी के सुचारू संचालन के लिए कुछ अहम कदम उठाने पर सहमति बनी है।

इससे पहले कल एफआईएच दल ने खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी से भी मुलाकात की थी। इस दौरान ओडिशा के खेल सचिव सह आयुक्त विनील कृष्णा ने एफआईएच दल को भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले 2023 पुरूष हॉकी विश्व कप की तैयारियों की भी जानकारी दी। एफआईएच और सीओए दल सात सितंबर को भुवनेश्वर और राउरकेला का दौरा करेगा जिसके एक दिन बाद भुवनेश्वर में विश्व कप का आधिकारिक ड्रॉ निकाला जायेगा।

हॉकी विश्व कप 13 से 29 जनवरी 2023 के बीच खेला जाएगा।

नीरज चोपड़ा की वापसी का राह खुला, इस टूर्नामैंट की प्रतिभागियों में नाम शामिल

नई दिल्ली। ओलंपिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का नाम 26 अगस्त को होने वाली लुसाने डाइमंड लीग प्रतियोगिता के प्रतिभागियों की सूची में शामिल है। चोपड़ा ने मामूली चोट के कारण हाल में राष्ट्रमंडल खेलों से नाम वापस लिया था। उन्होंने अभी तक इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेने के बारे में फैसला नहीं किया है। पिछले महीने अमेरिका के यूजीन में विश्व चैंपियनशिप में एतिहासिक रजत पदक जीतने के दौरान ग्रोइन में मामूली खिंचाव के कारण 24 वर्षीय चोपड़ा बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से हट गए थे। उन्हें एक महीने के आराम की सलाह दी गई थी। एक सूत्र ने कहा- नीरज अपने रिहैबिलिटेशन पर काम कर रहे हैं और उनकी टीम लुसाने डाइमंड लीग के करीब आने पर इसके बारे में फैसला करेगी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता अविनाश साबले को पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में जगह मिली है।

वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन: एम्मा ने अजारेंका को हराया

मैसन । ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानु ने बेलारुस की विक्टोरिया अजारेंका को वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हराने के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। राडुकानु ने दूसरे दौर के मैच में अजारेंका को सीधे सेटों में 6-0, 6-2 से हराया। राडुकानु ने पहले दौर में अमेरिका की सेरेना विलियम्स को हराया था। वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन अमेरिकी ओपन के लिए तैयारियों का अच्छा मंच माना जाता है। सेरेना के खिलाफ आखिरी पांच गेम जीतने वाली राडुकानू ने अजारेंका के खिलाफ पहले 10 गेम जीते। अब इस ब्रिटिश खिलाड़ी का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की जेसिका पेगुला से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त रोमानिया की सिमोना हालेप ने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। हालेप के हटने से अब वेरोनिका कुदेरमेतोवा अगले दौर में पहुंच गई हैं।

सुंदर बन सकते हैं भारतीय टीम के लिए अच्छे ऑलराउंडर : शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने युवा स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक शानदार ऑलराउंडर है। सुंदर हालांकि चोटिल होने के कारण कई बार टीम में चयनित होने के बाद भी दौरे से बाहर हुए हैं। इसको देखते हुए उन्हें अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखना होगा। शास्त्री के अनुसार सुंदर अगर अपनी गेंदबाजी में सुधार कर लें तो वो एक बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभर सकते है। भारतीय टीम में पिछले एक दशक से एक ऐसे बल्लेबाज की कमी रही है, जो स्पिन गेंदबाजी कर सकता हो। एक समय में भारत के पास सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, सुरेश रैना, युवराज सिंह जैसे बल्लेबाज थे। ये सभी खिलाड़ी गेंदाबाजी भी कर लेते थे पर इन सब खिलाड़ियों की तुलना में सुंदर की गेंदबाजी काफी अलग है। सुंदर गति बदलने में पारंगत है। वह नई गेंद से गेंदबाजी कर सकते है और पावरप्ले के दौरान बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। साथ ही डेथ ओवर्स में भी उनके पासा अच्छी गेंदबाजी करने की क्षमता है। सुंदर का एक अतिरिक्त बल्लेबाज और अतिरिक्त गेंदबाज की तरह टीम में होना उसे बेहतर बना सकता है क्येंकि रवींद्र जडेजा की निरंतरता पिछले कुछ समय में घटी है।

ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर एक अच्छे विकल्प के तौर पर उभरे हैं। शास्त्री ने कहा कि सुंदर में मुझसे अधिक क्षमता है और उन्हें हर प्रारुप में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

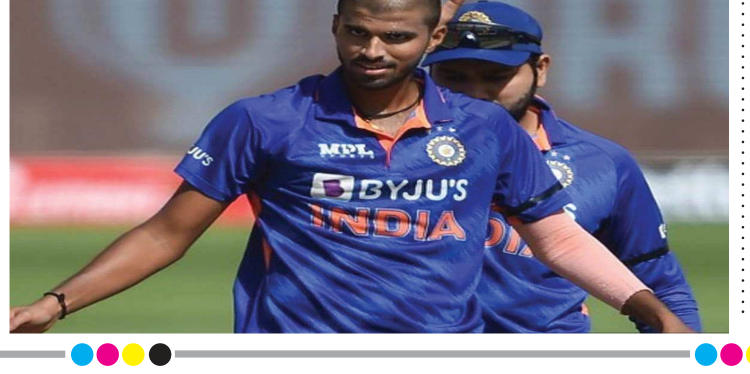

रायगढ़ : देवगांव में नया ट्रांसफार्मर स्थापित

रायगढ़,

उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल के विशेष निर्देश पर ग्राम बड़े देवगांव में बिजली विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने नया विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। जिससे अब फिर से बिजली की सप्लाई शुरू हो गई है। वहीं गांव में पुन: बिजली आने से ख़ुश का माहौल है। ग्राम बड़े देवगांव के उरांवपारा और भाठापारा का विद्युत ट्रांसफार्मर विगत कुछ दिनों से ख़राब हो गया था। जिससे बिजली की सप्लाई बंद हो गई थी। वोल्टेज अप-डाउन होने संबंधी दिक्कतें भी आ रही थी। जिससे मोहल्ले का ट्यूबबेल भी नहीं चल पा रहा था वहीं किसानों तथा ग्रामीणों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा था।

स्व. राजीव गांधी के ७८वें जन्मदिवस पर सात सूत्रीय कार्यक्रम करेगी कांग्रेस

रायपुर,

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी का ७८वां जन्म दिवस २० अगस्त २०२२ शनिवार को मनाया जायेगा। इस अवसर पर जिला, शहर, नगर ब्लॉक, एवं पंचायत स्तर पर सात सूत्री कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। प्रात: स्व. राजीव गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं प्रार्थना सभा का आयोजन होगा। स्कूली बच्चों की रैली के माध्यम से अक्षय उर्जा का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। पर्यावरण सुरक्षा के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम होगा।

रायपुर : भाजपा में बदलाव से भूपेश इतने घबराए क्यों हैं : चंद्राकर

रायपुर,

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर ने गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेश के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा में संगठन की प्रक्रिया से मुख्यमंत्री इतने घबराए क्यों हैं। वे भाजपा के नेताओं का चेहरा देखने में समय गुजारने की बजाय बिगड़ी कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, हत्या, बलात्कार, अपहरण, लूट, डकैती, गांजा से लेकर तमाम मादक पदार्थों की तस्करी और भारी भ्रष्टाचार की तरफ देखें। हम भाजपा के सभी कार्यकर्ता मिलकर छत्तीसगढ़ को भूपेश के चेहरे से मुक्ति दिला देंगे। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री राजनीतिक शिष्टाचार भूलकर अमर्यादित टिप्पणी करके अपनी खीझ निकाल रहे हैं। उनका चित्त अशांत है। भूपेश सरकार की सच्चाई जनता के सामने आ चुकी

है। कांग्रेस संगठन का संग्राम बघेल सरकार के ताबूत में कील लगा रहा है। कांग्रेस का कुर्सी युद्ध भी बेपर्दा है। मुख्यमंत्री भूपेश अपना बुझा बुझा चेहरा देखें। उनके चेहरे पर अगले चुनाव का नतीजा साफ झलक रहा है। वे अपनी मानसिक स्थिति का परिचय देते हुए भाजपा संगठन के नेताओं के विरुद्ध जितनी भी घटिया किस्म की टिप्पणी कर सकते हैं, करते रहें, जनता सब देख, सुन और समझ रही है। जो पार्टी पिछले ४ साल से अंतरिम अध्यक्ष के भरोसे चल रही है, युवराज की ताजपोशी के लिए सभी वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर दिया है, जिसे नेता छोड़ छोड़कर जा रहे हैं, उस डूबते जहाज में बैठे बघेल के मुंह से वह बात शोभा नहीं देती, जो वे बोल रहे हैं। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल के पैरों तले की जमीन धंसक चुकी है। कांग्रेस की जो दुर्दशा पूरे देश में है, वहीं दुर्गति भूपेश ने छत्तीसगढ़ में सुनिश्चित कर दी है। गरीबों के मकान छीनने वाले, किसानों से छल कपट करने वाले, युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बाद करने वाले, महिलाओं से रोजगार छीनने वाले, सरकारी सेवा करने वाले अनियमित और नियमित कर्मचारियों से धोखाधड़ी करने वाले मुख्यमंत्री की सरकार के अन्याय अत्याचार पाखण्ड और भ्रष्टाचार का घड़ा भर चुका है। इसका फूटना तय है।

अगस्त पार कर लें

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को बीजेपी की खुली चुनौती

रांची,

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अगस्त पार कर लें। भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर यह चुनौती दी है। शेल कंपनी केस में सुप्रीम कोर्ट की ओर से फैसला सुरक्षित रखने के साथ हाई कोर्ट में सुनवाई पर रोक लगने के बाद एक तरफ जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) इसे अपने लिए राहत के रूप में पेश कर रहा है तो गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ट्विटर पर जवाब में चुनौती दे डाली है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने ट्विटर पर सुप्रीम कोर्ट के रुख का जिक्र करते हुए लिखा, ''हमारे मुंगेरीलाल निशिकांत दुबे जी कुछ सुने की नहीं की माननीय सुप्रीम कोर्ट क्या कह रहा है। ख्याली पुलाव की दुनिया से बाहर आइए और माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के बारे में क्या कहा गया उसे जानिए और सीधा बाबूलाल मरांडी जी के साथ हरिद्वार निकल लीजिए। शायद कुछ पाप धुल जाए।'' दुबे ने जवाब देते हुए लिखा, ''सौ सुनार की एक लोहार की। मुख्यमंत्री जी अगस्त पार कर लें।'' इससे पहले हाल ही में दुमका पहुंचे दुबे ने कहा था कि ३१ अगस्त तक कई उलटफेर हो सकते हैं। उन्होंने कहा था कि इस महीने राज्य में बहुत कुछ बदल सकता है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की थी कि दुमका और बरहेट सीट पर उपचुनाव की नौबत आ सकती है। दुबे ने कहा कि दुमका में चार दशक से एक ही परिवार का कब्जा है और अब यह खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से लेकर, हाई कोर्ट, लोकपाल और अवैध माइंस, भ्रष्टाचार समेत अन्य मामलों में आदेश आने वाला

है। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री के करीबियों के शेल कंपनी चलाने और सीएम को खनन लीज आवंटित करने के मामले की सुनवाई बुधवार को पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। मामले में झारखंड हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की थी। इस पर जस्टिस यूयू ललित, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट और जस्टिस सुधांशु धुलिया की अदालत ने सुनवाई की। अदालत ने दोनों याचिकाओं पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई पर रोक भी लगा दी है।

डीसी ने जिला अभिलेखागार का किया निरीक्षण

दुमका,

डीसी रविशंकर शुक्ला ने जिला अभिलेखागार का औचक निरीक्षण किया। डीसी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों व कर्मियों को व्यवस्था में अविलंब सुधार करने के साथ १५ दिन के भीतर वांछित अभिप्रमाणित प्रति नकल मुहैया कराने का सख्त निर्देश दिया है। जिला अधिवक्ता संघ द्वारा कुछ दिन पूर्व जिला अभिलेखागार से अभिप्रमाणित प्रति नकल निकालने में अनियमितता और अनावश्यक विलम्ब होने को लेकर शिकायत करते हुए व्यवस्था में सुधार करने का आग्रह किया गया था। संघ के आवेदन के आलोक में डीसी रविशंकर शुक्ला ने गुरुवार को संघ महासचिव राकेश कुमार के साथ बैठक कर जिला अभिलेखागार से अभिप्रमाणित प्रति नकल मिलने में हो रही समस्या से अवगत हुए। इसके बाद डीसी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला अभिलेखागार का औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों और कर्मियों को व्यवस्था में अविलंब सुधार करने के सख्त निर्देश दिए।

नाबालिग प्रेमी ने साथी के साथ मिलकर दूसरे प्रेमी को मार डाला

लोहरदगा,

जिले के भंडरा में प्रेम प्रसंग में एक नाबालिग प्रेमी ने सहयोगी के साथ मिलकर मंगलवार रात दूसरे नाबालिग प्रेमी को मौत के घाट उतार दिया। घटना को अंजाम देने के बाद बुधवार देर रात खून से सने हथियार के साथ भंडरा थाना में सरेंडर कर दिया। वारदात लोहरदगा क्षेत्र के मुंदो गांव का है।

प्रदेश के सभी बाजारों मंडियों में महंगाई पर चर्चा आयोजित करेगी कांग्रेस

रायपुर,

केंद्र सरकार की मुनाफाखोर वाली नीति और कुप्रबंधन के कारण देश में महंगाई बेतहाशा बढ़ती जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी देशभर में महंगाई के खिलाफ आंदोलनरत है। छत्तीसगढ़ में सभी जिलों की मंडियों और बाजारों में कांग्रेस पार्टी महंगाई पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन करेगी। साथ ही महंगाई को लेकर पर्चा वितरित कर जनजागरण चलाया जायेगा। मरकाम ने कहा कि २०१४ में मोदी देश के युवाओं और आम लोगों को सपने दिखा रहे थे। अपने लगभग हर भाषण में वादा करते थे कि सत्ता में आते ही बेरोजगारी और महंगाई को खत्म कर देंगे। बहुत हुई महंगाई की मार...!

जैसे नारों की गूंज हर जगह सुनाई दे रही थी। आज उन्हें सत्ता में आए ८ साल से ज्यादा हो गए हैं लेकिन महंगाई और बेरोजगारी कम होने की बजाए आसमान छू रही है। मोदी की विफल आर्थिक नीतियों के कारण देश में महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर है। बीते १४ महीनों से महंगाई दर दोहरे अंकों में है। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी एवं रसोई गैस से लेकर अनाज, दालें, कुकिंग ऑयल जैसी जरूरी चीजों की कीमतें भी आसमान छू रही हैं।

मोदी सरकार द्वारा आटा, चावल, दही, पनीर, शहद जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने से महंगाई और बढ़ी है। इस सरकार की बेशर्मी देखिए, बच्चों के लिये पेंसिल और शार्पनर से लेकर हॉस्पिटल बेड एवं शमशान घाट के निर्माण पर भी जीएसटी लगा दी है।

आशादीप आजीविका महिला संकुल संगठन का उद्घाटन

खूंटी,

अड़की प्रखंड में आशादीप आजीविका महिला संकुल संगठन तिरला का उद्घाटन गुरुवार को किया गया। संकुल संगठन की अध्यक्ष ने संकुल का परिचय देते हुए बताया कि इस संकुल का गठन पांच पंचायतों को लेकर किया गया है। इसमें तिरला, मदहातु, कोचांग, बिरबांकी और बोहंडा पंचायत शामिल हैं। इन पांच पंचायतों में ३८ गांव, ४१०१ परिवार हैं। इनमें से १२७ महिला स्वयं सहायता समूह में २३१४ परिवार आच्छादित हुए हैं। तिरला गांव के ग्राम प्रधान और मुखिया खुशबू रानी भेंगरा ने कहा कि महिलाओं में इस प्रकार की जागरूकता देख प्रसन्नता हुई। भविष्य में पंचायत की ओर से हर संभव सहयोग किया जाएगा, ताकि महिला संगठन के सहयोग से इस सुदूरवर्ती क्षेत्र का विकास हो। सभी पंचायतों के मुखिया ने भी कहा कि अब हर घर की महिलाएं जागरूक हो रही हैं, जो आनेवाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। जेएसएलपीएस के सीइओ विष्णु परिदा ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विभिन्न गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। समूह को वित्तीय सहयोग के साथ-साथ उन्नत खेती के लिए तकनीकी सहयोग करना, कम ब्याज में ऋण मुहैया कराना, इसके साथ साथ १८ से ३५ वर्ष के सभी बेरोजगार युवक युवतियों को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से जोड़कर रोजगार मुहैया कराना इसकी प्राथमिकता है। साथ ही सामाजिक विकास के अंतर्गत समाज में व्याप्त कुप्रथा, कुरीतियों को जड़ से मिटाने के लिए समूह के माध्यम से गांव-गांव में जागरुकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

व्यापार

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की ऑल्टो के १०, एक्स-शोरूम कार की कीमत ५.८३ लाख रुपये

नई दिल्ली,

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने 'ऑल्टो के १०' गुरुवार को लॉन्च कर दी। एमएसआई की छोटी कार श्रेणी में ये कार एक किफायती सेगमेंट की हैचबैक का नया संस्करण है। कंपनी ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत ३.९९ से ५.८३ लाख रुपये के बीच निर्धारित की है। मारुति सुजुकी के इस मॉडल को आल्टो ८०० का बड़ा भाई भी कहा जा सकता है। मारुति ने इस हैचबैक कार को नई डिजाइन और बेहतरीन इंटीरियर के साथ लॉन्च किया है। इस कार में नए वेरियंट के साथ बेहतर ईंधन क्षमता और ज्यादा पावर देखने को मिलेगी। देश की बेस्ट सेलिंग कार में

मारुति की ऑल्टो ८०० शामिल रही है।

इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेयूची ने कहा कि एसयूवी की बिक्री में वृद्धि के बावजूद ग्राहकों का एक बड़ा वर्ग अभी भी हैचबैक को पसंद करता है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष २०२१-२२ में हमने ११.५ लाख से ज्यादा हैचबैक बेचे थे। हमारे पास अभी भी ६८ प्रतिशत से अधिक बाजार की हिस्सेदारी है।

युवाओं के निवेश से भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का तेजी हो रहा ग्रोथ

देहरादून,

१७ अगस्त (हि.स.)। कोटक एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मनीष मेहता ने कहा कि युवा पीढ़ी के निवेशकों ने म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में एसआईपी जैसे निवेश के नए साधनों में काफी दिलचस्पी दिखाई है। इसी का असर है कि पिछले कुछ सालों में भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का बड़ी तेजी से विकास हुआ है।

बुधवार को शहर के एक होटल में नैशनल हेड सेल्स, मार्केटिंग एवं डिजिटल बिजनेस कोटक एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मनीष मेहता ने पत्रकार सम्मेलन में यह बात कही। इस दौरान कहा कि युवाओं के निवेश में बढ़ते विशेष रुची से भारतीय बाजार में ग्रोथ की संभावनाएं तेजी से बढ़ने लगी है। जो निवेशकों के साथ बाजार के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने बताया कि म्यूचुअल फंड (केएमएफ) के लिए वित्त वर्ष बेहद उत्साहजनक रहा है। अपने उत्पादों पर विशेष ध्यान देने की

हमारी रणनीति ने वितरण नेटवर्क में अपने दायरे का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मनीष मेहता ने बताया कि कोटक म्यूचुअल फंड में हम एसआईपी का सक्रियतापूर्वक प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उतार-चढ़ाव के दौर में भी एसआईपी ने नियमित और अनुशासित निवेशकों के निवेश को संतुलित बनाए रखा है। निवेशक हमारी मौजूदा योजनाओं में से किसी एक को चुन सकते हैं और एसआईपी के जरिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

देहरादून सबसे बड़ा बाजार है और यह उत्तराखंड के कुल एयूएम के ८० फीसदी से अधिक का योगदान देता है। उत्तराखंड में इक्विटी निवेश कुल एयूएम का लगभग ८१ फीसदी योगदान देता है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में ७०० पैनलबद्ध म्यूचुअल फंड वितरक मौजूद हैं। वर्तमान में कोटक म्यूचुअल फंड उत्तराखंड के अंदर देहरादून, हरिद्वार व हल्द्वानी तीन स्थानों पर मौजूद है।

मनीष मेहता ने बताया कि कंपनी ने परिसंपत्ति की सभी श्रेणियों में एसेट अंडर मैनेजमेंट में वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में, कोटक म्यूचुअल फंड में एसआईपी खातों की संख्या २७ लाख से अधिक जून २०२२ तक है। जिसके माध्यम से निवेशक इसकी म्यूचुअल फंड योजनाओं में नियमित रूप से निवेश करते हैं। कोटक म्यूचुअल फंड के निवेशकों के बीच कोटक फ्लेक्सीकैप फंड, कोटक ब्लूचिप, कोटक इमर्जिंग इक्विटी और कोटक इक्विटी अपॉर्चुनिटीज जैसे उत्पाद हैं।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख, सोने में मामूली नरमी, चांदी में जोरदार गिरावट

नई दिल्ली,

बुधवार की तेजी के बाद भारतीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमत में आज एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया है। सोने की कीमत में आज अलग-अलग श्रेणियों में ३६ रुपये प्रति १० ग्राम से लेकर ६० रुपये प्रति १० ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। वहीं चांदी की कीमत में एक झटके में १,१७१ रुपये प्रति किलो तक की गिरावट दर्ज की गई।

बुधवार को २४ कैरट (९९९) सोने ने ५२ हजार रुपये के दायरे में पहुंचने में सफलता पाई थी। बुधवार को २४ कैरट सोना ५२,०३४ रुपये प्रति १० ग्राम के भाव पर बंद हुआ था, लेकिन आज २४ कैरेट सोना ६० रुपये की गिरावट के साथ ५१,९७४ रुपये प्रति १० ग्राम के स्तर तक पहुंच गया। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक २४ कैरेट सोने के अलावा सोने की अन्य श्रेणियों में भी गिरावट का रुख बना रहा।

आज २३ कैरेट सोना (९९५) भी ६० रुपये की गिरावट के साथ ५१,७६६ रुपये प्रति १० ग्राम के भाव पर, २२ कैरेट सोना (९१६) ५५ रुपये की कमजोरी के साथ ४७,६०८ रुपये प्रति १० ग्राम के भाव पर, १८ कैरेट सोना (७५०) ४५ रुपये की कमजोरी के साथ ३८,९८० रुपये प्रति १० ग्राम के भाव पर और १४ कैरेट सोना (५८५) ३६ रुपये की कमजोरी के साथ ३०,४०४ रुपये प्रति १० ग्राम के भाव पर कारोबार करता रहा। इसी तरह चांदी की कीमत में जोरदार गिरावट का रुख रहा। चांदी आज १,१७१ रुपये प्रति किलो की गिरावट के साथ ५६,६५० रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्राफा बाजार में आज आई गिरावट से निवेशकों को परेशान नहीं होना चाहिए, क्योंकि बाजार के सेंटीमेंट्स लगातार सकारात्मक बने हुए हैं। खासकर त्योहारी सीजन को देखते हुए सर्राफा बाजार में और तेजी आने की पूरी संभावना बनी हुई है। माना जा रहा है कि अगर सोना ५२ हजार रुपये के स्तर से ऊपर पहुंच कर कारोबार करता रहा, तो त्योहारी सीजन में सोना ५४,००० के दायरे को भी पार कर सकता है।

एयरटेल को ५जी स्पेक्ट्रम आवंटन पत्र मिला, सुनील मित्तल ने की तारीफ

नई दिल्ली,

दूरसंचार विभाग (डॉट) को अग्रिम भुगतान करने के कुछ घंटों के भीतर ही भारती एयरटेल को ५जी का स्पेक्ट्रम आवंटन पत्र मिल गया। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मित्तल ने जारी एक बयान में कहा कि यह पहली बार है, जब दूरसंचार विभाग (डॉट) ने अग्रिम भुगतान करने के दिन ही स्पेक्ट्रम आवंटन का पत्र सौंप दिया। उन्होंने बताया कि एयरटेल ने ५जी स्पेक्ट्रम के लिए ८,३१२.४ करोड़ रुपये का भुगतान किया और कुछ घंटों के भीतर निर्दिष्ट फ्रीक्वेंसी बैंड के लिए आवंटन पत्र दे दिया गया।

उन्होंने कहा कि वादे के मुताबिक स्पेक्ट्रम के साथ ई-बैंड का आवंटन किया गया। कोई कमी नहीं, कोई देरी नहीं। सत्ता के गलियारों का कोई चक्कर नहीं और कोई लंबा दावा नहीं। कारोबारी सुगमता पूरी तरह प्रभावी है। मित्तल ने कहा कि डीओटी के साथ मेरे ३० साल से ज्यादा साल के अनुभव में ऐसा पहली बार है। व्यवसाय ऐसा होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि उद्योग जगत के दिग्गज कारोबारी सुनील भारती मित्तल की कंपनी भारती एयरटेल ने ५जी स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए ४३,०३९.६३ करोड़ रुपये की सफल बोली लगाई है। इसके लिए एयरटेल ने दूरसंचार विभाग को ८,३१२.४ करोड़ रुपये का भुगतान किया है। एयरटेल ने यह राशि ४ साल की किस्त के अग्रिम भुगतान के रूप में जमा करवाई है। डीओटी को भारती एयरटेल, रिलायंस जियो, अडाणी डेटा नेटवर्क्स और वोडाफोन आइडिया से लगभग १७,८७६ करोड़ रुपये मिले हैं। हालांकि, एयरटेल को छोड़कर अन्य सभी दूरसंचार परिचालकों ने २० वार्षिक किश्तों में भुगतान का विकल्प चुना है।

इस्पात उद्योग की पीएलआई योजना के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

नई दिल्ली, १८ अगस्त (हि.स.)। केंद्र सरकार ने मूल्य-संवर्धित इस्पात के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि १५ सितंबर तक बढ़ा दी है। दरअसल, ये चौथी बार है, जब इसकी समय-सीमा बढ़ाई गई है। यह जानकारी इस्पात मंत्रालय ने दी है।

इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि मूल्य-संवर्धित इस्पात के लिए उत्पादन युक्त प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि १५ सितंबर, २०२२ तक बढ़ाई गई है। मंत्रालय के मुताबिक इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए ऑनलाइन आवेदन पूेउ:// ज्त्स्दे.सम्दहत्सू.म्द.गह/ के जरिए किया जा सकता है। मंत्रालय के मुताबिक इसमें प्रतिभागिता, योग्यता और अन्य शर्तों के लिए निर्धारित मानकों को २९ जुलाई, २०२१ को अधिसूचित किया गया था। ये सभी मानक इस्पात मंत्रालय के पोर्टल पर उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने इसका लाभ उठाने के लिए इच्छुक कंपनियों से आग्रह किया है कि वे सबसे पहले पंजीकरण कराएं, उसके बाद अंतिम तिथि आने के पहले मंत्रालय के पोर्टल पर आवेदन करें।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले पीएलआई योजना के तहत मूल्य-संवर्धित इस्पात के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि मंत्रालय ने ३१ जुलाई, २०२२ तक बढ़ाई थी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में मूल्य-संवर्धित इस्पात के विनिर्माण को गति देने के लिए पिछले साल २२ जुलाई को ६,३२२ करोड़ रुपये की पीएलआई योजना को

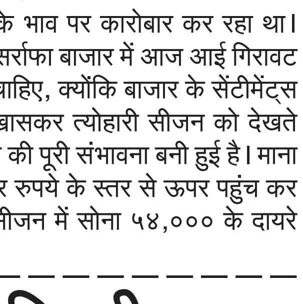

मंजूरी दी थी। सरकार को इससे ४० हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश और ५.२५ लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA) Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). Editor-Abinash Mishra Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रित तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशित थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र

Bhubaneswar Office: Plot-493,Sarathi Market Complex, Govinda Prasad,BomikhalBhubaneswar-10